RNI No. 58061/93 | वर्ष - 21 | अंक - 350 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » सोमवार » 20-07-2026 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

KARNATAKA INNERWEAR ASSOCIATION®

3 DAY B-2-B EXPO

TECHNOSPORT
Proudly Presents

The Inner Story — Beyond Imagination — India's Largest Innerwear Trade Show — CHAPTER 5

21-22-23 JULY 2026
10 AM - 09 PM

OFFICE BEARERS

MAHAVEER CHAND MEHTA — PRESIDENT
ASHVIN SEMLANI — VICE-PRESIDENT
GOURAV SHARMA — VICE-PRESIDENT
KRISHNAMOORTY G. — SECRETARY
SURAJ SHARMA — JOINT SECRETARY
RAJESH CHOPDA — TREASURER
VINOD KUMAR CHOWHAN — JOINT TREASURER
MOOLSINGH RAJPUROHIT — JOINT TREASURER
N. DILIP JAIN — I.P.P

INAUGURATION ON TUESDAY 21.7.2026 @ 9 AM

PRINCESS SHRINE
Gate No. 09, Palace Ground, Bengaluru

CHIEFGUEST Shri Kuldeep Jain IPS
Joint Police Commisioner, Bangalore

Guests of Honour

Shri Mahendra Singhvi — Member-ZRUCC, South Western Railway, Hubballi
Shri Sumit Santhalia — Co-Founder, Technosport
Shri Dinesh Kumar Jain — Founder, Heera Exports INC.

MANAGING COMMITTEE

MADHURAM KHADAV
BHARATH JAIN
SRIPAL MEHTA
SHANKY M. JAIN
MANISH A. JAIN
B. GAVERLAL BORANA
MISRIMAL PRAJAPATH
VIKRAM DAS
AMITH JAIN

FAIR CONVENOR

GOURAV SHARMA - 96631 63497
VINOD CHOUHAN - 98459 82904
MADHURAM KHADAV - 94496 35521

FAIR CORDINATOR

SURAJ SHARMA - 98800 58888
SHANKY M. JAIN - 98447 86264
MAHISH A. JAIN - 98450 84062

Entry for TRADE VISITORS Only

MAKE IN INDIA

OUR STRENGTH

CHAPTER 5 — PARTICIPANTS BRANDS

TECHNOSPORT, JOHNY, UATHAYAM ARISER, DIGSEL, LAVISH, RIZA, TRYLO, MACROMAN, selsia, LUX COZI, KYANDO, OVER THE TOP, Minelli, GOLDSTROMS, PETER ENGLAND, Bornfree, MUSH, VAN HEUSEN, Allen Solly, NEXT 2 SKIN, LOUIS PHILIPPE, PINNACLE, SCAN LINGERIE, TESSUTI ITALY, Sweet Love, PINK SQUARE, Indian Flowers, Fly Birds, VSTAR, Aarya, WOMAN'S BEAUTY, Zenia, VON BEAUTY, KOR, Skindew Lingerie

CHAPTER 5 — PARTICIPANTS BRANDS

NEVA, JINAL Exclusive Night Wear, NIRMA LINGERIE, SGT, sunheri, booba Kids, Naatiya for Women, PRO Decent, KOHINOOR, HABITUDE, FOOTONS, one8 Select, ROXOR, tigie, Kalyani, MAASHIE, Sweet Candy, Soram, L&M Leisure and Moods, Supersox, LUCKY Lingerie, SRI GOKUL, omtex, swee, KLYNX, RUN KIDS, RANGER BE NO. ONE, BFT Dhvani Girls

ಕರ್ನಾಟಕ ಇನ್ನರ್‌ವೇರ್ ಅಸೋಸಿಯೇಶನ್
KARNATAKA INNERWEAR ASSOCIATION®
No. 4, 1st Cross, Sankarapuram, Bengaluru 560004.
+91 74838 51801
www.karnatakainnerwearassociation.com
karnatakainnerwearassociation@gmail.com

FOR REGISTRATION
Click here for Registration
+91 98455 55351

MEDIA PARTNER: INNER FASHION
EVENT PARTNER: HOSTINDIA — WWW.HOSTINDIAEVENTS.COM
DESIGN PARTNER: JIFFIE TECH — Empowering Brands Digitally — +91 6362343478
CATERS: SHIV SAKTI CATERS

टीपीएफ वेस्ट ने पांच विद्यालयों में आयोजित किए नेत्र जांच शिविर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) द्वारा राष्ट्रव्यापी मेगा नेत्र-जाँच अभियान 'मिशन दृष्टि' के तहत देश के 75 से अधिक नगरों एवं 1000 से अधिक विद्यालयों में एक साथ शुरू किया गया। उसी श्रृंखला में बेंगलूरु वेस्ट शाखा ने इस महाअभियान के अंतर्गत रविवार को 5 विद्यालयों में उनके परिसर में नेत्र-जाँच शिविर आयोजित किए, जिनमें सैंकड़ों विद्यार्थियों की नेत्र-जाँच की गई। अभियान का शुभारंभ सिद्धगंगा स्कूल के ऑडिटोरियम में मुनिश्री विनीत कुमार जी एवं पुनीत कुमार जी के सान्निध्य में हुआ।ङ्गइस मौके पर चिकित्सा सेवा वाले डॉ. प्रकाश छाजेड़ को धन्यवाद दिया गया। वेस्ट के अध्यक्ष ललित बेगानी ने सभी को धन्यवाद दिया।

राजराजेश्वरीनगर में हुआ मुनिश्री आकाश कुमार का चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ मुनिश्री आकाश कुमार जी व हितेन्द्र कुमार जी का रविवार को राजराजेश्वरी नगर के तेरापंथ भवन में अनुशासन रैली के साथ चातुर्मास प्रवेश हुआ। इस मौके पर मुनिश्री विनीत कुमार जी की भी विशेष उपस्थिति थी। इस मौके पर मुनिश्री ने कहा कि गुरुदेव के निर्देशानुसार आज हमनें राजराजेश्वरी नगर के भवन में चातुर्मास के लिए प्रवेश किया है। चातुर्मास में यहां जप-तप की खूब वर्षा होगी जो आत्मा को उर्वर बनाएगी एवं धर्म का बगीचा लहलहाएगा।

उन्होंने आचार्य भिक्षु के 300 वें वर्ष के समापन पर सामूहिक अठाई तप से संपन्न करने का आह्वान किया। मुनिश्री हितेन्द्र कुमार जी ने चातुर्मास में सम्यक् ज्ञान, दर्शन एवं चरित्र एवं तप की रूपरेखा बताई। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ ने सभी का स्वागत करते हुए संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। महिला मंडल, सभा तथा युवक परिषद ने स्वागत गीत गाकर संतों का स्वागत किया।

ज्ञानशाला,किशोर मंडल एवं कन्या मंडल ने अपनी प्रस्तुति दी। उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़ ने अनुशासन रैली का संचालन किया। कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष देवेन्द्र नाहटा ने किया एवं मंत्री अमित नौलखा ने धन्यवाद दिया।

सादगी के साथ हुआ गणिवर्य गुणहंसविजय का चातुर्मास प्रवेश

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मुनिसुव्रत कुमारापार्क जैन संघ के तत्वावधान में वीर गौतम क्रांति चातुर्मास-2026 के तहत गणिवर्य श्री गुणहंसविजयजी का मंगल प्रवेश रविवार को सादगी के साथ हुआ। सुबह मुनिसुव्रत स्वामी जैन मंदिर ने केवल थाली-डंका के मंगल स्वर के सामैया सुराणा साधना संकुल पहुँचा। मंगल प्रवेश के पश्चात गणिवर्य गुणहंसविजयजी ने 'माटी का भेद निराला विषय पर ओजस्वी एवं चिंतनशील प्रवचन प्रदान किया। संघ के अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया।ङ्गइस अवसर पर कर्नाटक के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने भी संतों के दर्शन किए तथा संघ की ओर से उनका सम्मान किया गया।

सुभाष फिर बने अग्रवाल समाज के अध्यक्ष व सतीश बने सचिव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में रविवार को अग्रवाल समाज कर्नाटक की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न हुई। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से वर्तमान कार्यकारिणी समिति पर अपना विश्वास जताते हुए उसे आगामी दो वर्ष 2026-28 के लिए एक बार फिर पदभार सौंपा। सुभाष बंसल एक बार फिर अग्रवाल समाज कर्नाटक के अध्यक्ष व सतीश गोयल सचिव बने। पुन: निर्वाचित अध्यक्ष सुभाष बंसल ने सभी को धन्यवाद देते हुए उनमें एक बार फिर विश्वास जताने के लिए उपस्थित जनों व सदस्यों को धन्यवाद दिया।

तैयारी बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विजयनगर स्थित स्थानक भवन में वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में साध्वीश्री सुमंगलाप्रभाजी का चातुर्मास प्रवेश होना है जिसके लिए शनिवार को स्थानक भवन में मुख्य संघ, युवा मंडल, महिला मंडल, बहू मंडल एवं बालिका मंडल के अनेक सदस्यों की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें चातुर्मास प्रवेश को लेकर अनेक सकारात्मक सुझाव आए तथा शोभायात्रा को अनुशासित और प्रेरणादायी बनाने पर सार्थक चर्चा हुई।

साध्वी मंगल ज्योति का हुआ चातुर्मास प्रवेश

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, शांतिनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री मंगलज्योतिजी, विकासज्योतिजी, ऋजुप्रज्ञाजी, नैतिकश्रीजी एवं मौलिकश्रीजी का चातुर्मास मंगल प्रवेश रविवार को एक श्रद्धालु परिवार के निवास स्थान से विशाल जनमेदिनी की उपस्थिति में लुणावत जैन स्थानक शांतिनगर में हुआ। शांतिनगर संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री मंगलज्योतिजी व ऋजुप्रज्ञाश्रीजी ने मंगल प्रवेश पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए चातुर्मास में ज्यादा से ज्यादा धर्म ध्यान, जप तप, ज्ञान, ध्यान सीखने का आह्वान किया। इस मौके पर जैन कान्फ्रेंस, बेंगलूरु महासंघ, शांतिनगर युवक मंडल, महिला मंडल, बहु मंडल, बालिका मंडल, अक्कीपेट युवा मंडल,बेंगलूरु विहार सेवा मंडल, गुरु ज्येष्ठ पुष्कर समिति के प्रमुख पदाधिकारीगण, सेवा संगठन आदि ने लाभ लिया। साध्वीश्री मंगलज्योतिजी के आह्वान पर शनिवार को 24 घंटे का अखंड नवकार महामंत्र का जाप लुणावत जैन स्थानक में सम्पन्न हुआ।

जम्मू और राजौरी में नदियों में फंसे 14 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू और राजौरी जिलों के विभिन्न हिस्सों में उफान पर आई नदियों में फंसे कम से कम 14 लोगों को पुलिस, सेना और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के संयुक्त अभियान में रविवार को सुरक्षित निकाल लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कई घंटे के समन्वित अभियान में पुलिस और एसडीआरएफ ने जम्मू में पीर खो मंदिर के निकट तवी नदी में फंसे तीन युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। अचानक जलस्तर बढ़ने के कारण तीनों नदी के बीच फंस गए थे।

उन्होंने बताया कि सूचना मिली थी कि नदी में नहाने गए तीन युवक जल स्तर अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाने के कारण नदी से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अधिकारी के अनुसार, जम्मू शहर के रणदीप सिंह और मुनीश शर्मा तथा बिहार निवासी उनके मित्र विकास कुमार को सकुशल निकाल लिया गया।

एक अन्य बचाव अभियान में सेना के जवानों ने पुलिस और एसडीआरएफ के साथ मिलकर राजौरी जिले के धनगरी क्षेत्र में बाढ़ से उफनाई धनगरी नदी में फंसे दो लड़कों तथा थानामंडी क्षेत्र में फंसे नौ अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। सेना की 'व्हाइट नाइट कोर' ने बताया कि रविवार तड़के राजौरी शहर में अचानक आई बाढ़ के बाद उसके जवानों ने एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से कई बचाव अभियान में सहयोग किया।

इसने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, बाढ़ की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और तेज बहाव के बीच जवानों ने पांच बच्चों सहित 11 लोगों को सुरक्षित निकाला।

इनमें थानामंडी के दक्षिण में चूरुंग गांव के पास नाले के दूसरी ओर फंसे नौ लोग और धनगरी के निकट नौशहरा तवी नदी के बीच स्थित टिले पर फंसे दो युवक शामिल हैं।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन का तीन दिवसीय ट्रेड फेयर कल से

पदाधिकारियों नेआयोजन स्थल का किया दौरा व की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) के पदाधिकारियों व सदस्यों ने 21 जुलाई से शहर के पैलेस ग्राउंड पर आयोजित होने वाले भारत के सबसे बड़े इनरवियर ट्रेड फेयर की तैयारियों का आयोजन स्थल पर जाकर निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। समिति के पदाधिकारियों ने प्रदर्शनी स्थल पर स्टॉल व्यवस्था, आगंतुकों की सुविधाएं, सुरक्षा, पार्किंग, प्रवेश-निकास, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष महावीरचंद मेहता, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, उपाध्यक्ष गौरव शर्मा, संयुक्त सचिव सूरज शर्मा, संयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, पूर्व अध्यक्ष दिलीप जैन, मनीष जैन, माधुराम खांडव, मिश्रीमल प्रजापति, शैंकी जैन, घेवर चंद बोराना सहित एसोसिएशन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष का ट्रेड फेयर देशभर के इनरवियर उद्योग, निर्माताओं, वितरकों एवं व्यापारियों के लिए एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक मंच साबित होगा तथा इसमें बड़ी संख्या में देशभर से व्यापारियों एवं आगंतुकों की भागीदारी रहेगी।

संप्रदायों में शत्रुबोध जैसी मन:स्थिति निर्माण समाज के लिए दुर्भाग्यपूर्ण : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद्। रविवार को कोरा-छावनी स्थित गायत्री गार्डन में हैदराबाद, सिकंदराबाद और बोलाराम के श्रद्धालुओं की धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि एकता और शत्रुबोध के अभाव में अब तक समाज को बहुत-कुछ गंवाना पड़ा है। दुर्भाग्य से आज भी यह सिलसिला जारी है। संप्रदाय तो व्यवस्था है, लेकिन उन्हें लेकर होते आपसी विवाद और शत्रुबोध जैसी मन:स्थिति का निर्माण समाज के लिए सचमुच बहुत घातक सिद्ध हो रहा है। समाज के इस भीतरी घमासान में असली शत्रुओं की पहचान और उसका निराकरण अकसर अधूरा रह जाता है। तुच्छ और महत्वहीन बातों को लेकर भाई-भाई आपस में लड़ते रहते हैं और असली शत्रुओं को उसका फायदा मिलता रहता है। इस वैचारिक और बौद्धिक दिवालियापन को दूर करके ही हम समाज का वास्तविक विकास कर सकते हैं।ङ्गशहर के फीलखाना-हैदराबाद के महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ में वर्षावास करने आए विमलसागरसूरीश्वरजी व पद्मविमलसागरजी रविवार को प्रातः लंबी पदयात्रा करते हुए आनंद ऋषि स्थानक भवन पहुंचे। महिलाओं ने मंगल कलशों से प्रदक्षिणा देकर स्वस्तिक रचना की। ङ्गङ्गआचार्य श्री ने कहा समाज और धर्म की रक्षा के संदर्भ में व्यक्तिगत सफलताओं का मूल्यांकन नहीं हो सकता। हमारी शक्ति, बुद्धि, सफलताएं और सामर्थ्य अपने व अपने परिवार से अधिक, समाज और धर्म की रक्षा एवं उनकी उन्नति में लगने चाहिए। इस मौके पर स्थानकवासी संप्रदाय के कर्नाटक केसरी गणेशीलाल महाराज के सौरवमुनिजी का जैनाचार्य से सद्भावनापूर्ण मिलन हुआ।

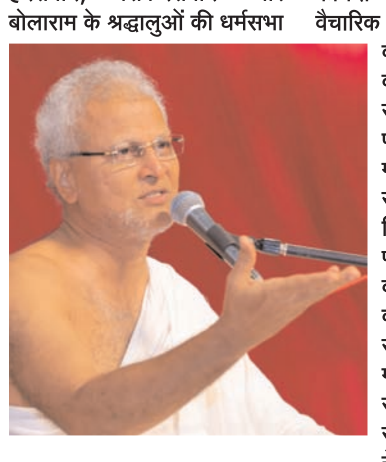

संतों के दर्शन मात्र से उनके गुणों का हमारे अंदर संचार होता है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

मैसूरु। शहर के सिद्धार्थ नगर स्थित महावीर जैन विद्यालय में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने उपस्थित जनों को संबोधित करते कहा कि जिस प्रकार डाकू और आतंकवादी को देखने मात्र से व्यक्ति भय का माहौल बन जाता है वैसे ही सज्जन और महापुरुष को देखने मात्र से दिल में सद्भावना का संचार होता है। संतों के दर्शन करने पर उनके आत्मीय गुणों का चिंतन करते-करते उनके गुण का हमारे में निवास हो जाता है। दर्शन में स्वार्थ होता है तो पतन का काम करेगा, श्रद्धा और भक्ति का समावेश है तो अमृत का काम करेगा जब दर्शन का स्थान प्रदर्शन, दिखावा, आडंबर ले लेते हैं जब व्यक्ति लक्ष्य से भटक जाता है।

राजीव चंद्रशेखर ने वक्फ कानून को लेकर माकपा व आईयूएमएल पर डर और भ्रम फैलाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने संशोधित वक्फ कानून को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) पर लोगों में डर और गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि यह मुद्दा धर्म का नहीं बल्कि कानून के शासन का है। चंद्रशेखर ने शनिवार को एक पोस्ट में कहा कि संसद ने ऐसा कानून पारित किया है, जिसके तहत राज्य वक्फ बोर्डों में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कानून केरल सहित पूरे देश में लागू है।

उन्होंने कहा, ''वक्फ का मुद्दा धर्म से जुड़ा नहीं है, बल्कि कानून के शासन से जुड़ा है। लोगों को सच्चाई बताने के बजाय माकपा और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग एक बार फिर डर फैला रहे हैं।'' चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि दोनों दल जानबूझकर गलत सूचनाएं फैला रहे हैं और संसद द्वारा पारित कानून का सम्मान करने के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए इस मुद्दे को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं।भाजपा नेता ने कहा, ''उनका उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट है-लोगों में भय पैदा करना, उन्हें बांटना और भाजपा को मुस्लिम विरोधी पार्टी के रूप में पेश करना।''

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन चेरिटेबल ट्रस्ट मैसूरु द्वारा नवनिर्मित भगवान महावीर जैन अस्पताल के 26 जुलाई को उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल जैन, ट्रस्टी भंवरलाल लुकड़, हेमंत जैन एवं गौतम सालेचा ने जगद्गुरु श्री शिवरात्रि देशीकेन्द्र महास्वामी जी से मुलाकात की तथा उद्घाटन के मौके पर उन्हें आमंत्रित किया ।

जीण माता तृतीय वार्षिकोत्सव की तैयारी के लिए पोस्टर विमोचित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय श्री जीण माँ के दीवाने के तत्वावधान में आगामी 6 सितम्बर को विजयनगर स्थित बसेश्वरा सुगनाना कल्याण मंडप में तृतीय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाएगा जिसकी तैयारियों के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में वार्षिकोत्सव में कोलकाता के कारीगरों द्वारा सजाए जाने वाले जीण धाम की तर्ज पर विशाल दरबार की सजावट पर चर्चा हुई। इस आयोजन में रितेश बरनवाल व सीतू राजस्थानी मंगल पाठ का वाचन तथा शाम को आशीष देशवाल भजनों की प्रस्तुति देंगे। बैठक में सदस्यों द्वारा वार्षिकोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया गया।

मुंशी प्रेमचंद के कथा साहित्य की प्रासंगिकता पर गोष्ठी सम्पन्न

बेंगलूरु। स्थानीय भाषा साहित्य मंच की जुलाई माह की गोष्ठी समकालीन समय में 'प्रेमचंद के कथा साहित्य की प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित हुई। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ सदस्य वत्सला किरण ने की। मंच की संस्थापिका डॉ. उषा श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया। गोष्ठी में ज्योति तिवारी, वत्सला किरण, डॉ. उषा श्रीवास्तव, शारदा रूंगटा, डॉ. सुमन मेहरोत्रा, जागृति शंकर, प्रवीणा कुलश्रेष्ठ, प्रीति राही, सुषमा कुलश्रेष्ठ, ऋता शेखर आदि ने प्रेमचन्द की कहानियों पर आधारित अपने विचार व्यक्त किए तथा साहित्य में उनके योगदान को याद दिया। सुषमा कुलश्रेष्ठ ने धन्यवाद दिया।

टीटीडी की गोशाला में दान किए गए घोड़े की बीमारी के कारण मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/भाषा। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की श्री वेंकटेश्वर गोसंरक्षण शाला को हाल में दान में मिले घोड़े की बीमारी के कारण मौत हो गई।

यह घोड़ा 13 जुलाई को गोशाला में आने के तुरंत बाद से ही पृथकवास में था, तथा उसके रक्त तथा गोबर के नमूने तिरुपति की राज्य पशु रोग निदान प्रयोगशाला में भेजे गए थे। मंदिर संस्था द्वारा शनिवार देर रात जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में एसवी गोशाला के निदेशक ए वी एन शिवकुमार ने कहा, पशु चिकित्सकों द्वारा तमाम चिकित्सा प्रयासों और निरंतर निगरानी के बावजूद घोड़े ने शनिवार को दम तोड़ दिया।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिले हैं कि यह पशु लिवर और किडनी संबंधी बीमारियों से ग्रस्त था। उन्होंने कहा कि पहले दिन से ही घोड़े में बीमारी के लक्षण दिख रहे थे। उन्होंने बताया कि पशु चिकित्सकों और विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर घोड़े को आवश्यक उपचार तथा विशेष देखभाल प्रदान की गई। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया कि दानकर्ता एवं मदुरै के वाडिवेलु मुगंदन शनिवार को एसवी गोशाला आए थे और घोड़ा की मौत के समय वहीं मौजूद थे। शिवकुमार ने कहा कि मृत्यु के सटीक कारण का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम किया गया है, और विस्तृत प्रयोगशाला विश्लेषण के लिए आवश्यक नमूने भेज दिए गए हैं। श्री वेंकटेश्वर पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम ने पोस्टमार्टम किया। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चला है कि घोड़ा लिवर, हृदय और किडनी संबंधी बीमारियों से ग्रस्त था, जबकि मृत्यु के सटीक कारण की पुष्टि अंतिम पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही होगी। टीटीडी, तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर की आधिकारिक संरक्षक संस्था है, जिसे दुनिया का सबसे धनी हिंदू मंदिर माना जाता है।

RNI No. 58061/93 | वर्ष - 21 | अंक - 350 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » सोमवार » 20-07-2026 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 सनातन संस्कृति इतिहास से भावी पीढ़ी को मिलेगी प्रेरणा : दिलावर
6 पाकिस्तान से टूटने को तैयार दिखता है ब्लूचिस्तान
7 मैंने हमेशा मजबूत महिला किरदारों का समर्थन किया : अनिल कपूर

फर्स्ट टेक

ईरान ने मिसाइल और ड्रोन हमला किया : कुवैत

दुबई/एपी। कुवैत ने रविवार को कहा कि ईरान ने उस पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए हैं। कुवैत की सेना ने एक बयान में कहा कि ईरान के निंदनीय हमले'' के बाद देश की हवाई रक्षा प्रणालियों को सक्रिय कर दिया गया है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब एक सप्ताह से अधिक समय से ईरान और अमेरिका एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों पर हमले कर रहे हैं। अमेरिका और ईरान के मध्य अस्थायी युद्धविराम समझौता विफल रहने के बीच ईरान ने खाड़ी क्षेत्र के अरब देशों को निशाना बनाया है, जबकि अमेरिका ने ईरान में अपना बमबारी अभियान तेज कर दिया है।अमेरिका ने रविवार को ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड को निशाना बनाते हुए हवाई हमले किए।

गुयाना के तट पर 116 यात्रियों को ले जा रही नौका पलटी, 67लोगों को बचाया गया

मैड्रिड/एपी। गुयाना में 116 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रही एक नाव पलट गई, लेकिन अब तक 67 लोगों को बचा लिया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। गुयाना के प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स ने बताया कि 'एमवी बारिमा' राजधानी जॉर्जटाउन से उत्तरी अटलांटिक तट के रास्ते पोर्ट कैतूमा जा रही थी। फिलिप्स ने बताया कि बचाये गये 67 लोगों में 15 बच्चे शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि नौका पोमेरून नदी के निकट पलट गई।

सीबीआई ने 1,109 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में चार राज्यों में छह ठिकानों पर छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भुवनेश्वर स्थित एक बिजली अवसंरचना कंपनी से जुड़े 1,109 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में ओडिशा और पश्चिम बंगाल समेत चार राज्यों में छह ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। सीबीआई ने शनिवार को की गई इस कार्रवाई के तहत गुप्ता पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के आरोपी निदेशकों के भुवनेश्वर स्थित आवासों, कोलकाता में कंपनी के पंजीकृत कार्यालय तथा उत्तराखंड के काशीपुर, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर और भुवनेश्वर स्थित विनिर्माण इकाइयों की तलाशी ली। एजेंसी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, यह मामला आरोपी कंपनी द्वारा केनरा बैंक से प्राप्त विभिन्न कोष आधारित और गैर कोष आधारित वित्तीय सुविधाओं के संबंध में कथित रूप से 1,109 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने से जुड़ा है। सीबीआई के अनुसार, आरोपियों ने स्टॉक का मूल्य कृत्रिम रूप से बढ़ाकर दिखाया, व्यापारिक देय राशि को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया।

20-07-2026 सूर्यास्त 6:49 बजे	21-07-2026 सूर्योदय 6:04 बजे
BSE 78,151.45 (+964.58)	NSE 24,334.30 (+261.55)
सोना 15,198 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 227,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भौंचक्के हम

शेयर के भाव गिरे जाते,
बढ़ रहे दाम नित सोने के।
निफ्टी सेंसेक्स धँसे जाते,
दिन बाजारों के रोने के।
दल बदलू नेताओं के हैं,
सपने अपने हित ढोने के।
दिख रहे तमाशे सभी ओर,
अपने मूल्यों को खोने के।0।

अमित शाह ने कोलकाता में 'शब्द संग्रहालय' का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां राष्ट्रीय पुस्तकालय परिसर में 'शब्द संग्रहालय' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि किसी देश की भाषा उसकी विरासत को संजोए रखती है और उसकी संस्कृति को जानने-समझने का माध्यम बनती है। यह जीवंत अनुभव प्रदान करने वाला भारत का पहला भाषा संग्रहालय है। 'शब्दलोक' नाम से विकसित संग्रहालय भारत की भाषाई विविधता, विभिन्न लिपियों और समृद्ध साहित्यिक विरासत की विकास यात्रा को दर्शाता है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तकालय द्वारा विकसित यह संग्रहालय भारत की समृद्ध भाषाई विरासत को समर्पित है। इसमें अत्याधुनिक तकनीक और संवादात्मक प्रस्तुतियों के जरिए देश की मौखिक और लिखित भाषाई परंपराओं के विकास की यात्रा को दर्शाया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि अपनी मातृभाषा सीखने के साथ-साथ प्रत्येक छात्र को देश की सांस्कृतिक विविधता को बेहतर ढंग से समझने के लिए कम से कम एक अन्य भारतीय भाषा भी सीखनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारी भाषा हमारी विरासत को आगे बढ़ाती है और भाषाओं के माध्यम से किसी देश की संस्कृति को समझा जा सकता है।'' गृह मंत्री ने राष्ट्र निर्माण में पुस्तकालयों के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि देश का भविष्य केवल कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या पर निर्भर नहीं करता, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करता है कि कितने लोग पुस्तकालयों का उपयोग करते हैं। बंगाल की बौद्धिक विरासत का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि इस राज्य ने देश को कई महान साहित्यकार, वैज्ञानिक, क्रांतिकारी और विद्वान दिए हैं।

पुंछ और राजौरी में भारी बारिश व भूस्खलन के कारण 11 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषां। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों पुंछ और राजौरी में रविवार को मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य लापता हैं। इसके बाद विभिन्न एजेंसियों ने संयुक्त रूप से व्यापक बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया है। अधिकारियों के अनुसार, सबसे अधिक तबाही पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील में हुई, जहां अधिकांश मौतें दर्ज की गईं। लगातार बारिश और क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हुआ है, हालांकि बचाव दल लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं।

पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में दिल्ली गए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने संभाग के कुछ हिस्सों में बिगड़ते हालात को देखते हुए अपना दौरा बीच में ही समाप्त कर दोपहर में जम्मू लौटने का निर्णय लिया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी बारिश और बाढ़ प्रभावित जिलों की स्थिति की समीक्षा की तथा अधिकारियों को प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि सुरनकोट के लोअर मुराह गांव में मूसलाधार बारिश के कारण रविवार तड़के हुए भूस्खलन की चपेट में एक मकान आ गया, जिससे उसमें रह रहे आठ लोग मलबे में दब गए। बचाव दल ने सोफियान यासिर (दो) समेत पांच लोगों के शव बरामद कर लिए हैं, जबकि शेष की तलाश जारी है।

उन्होंने बताया कि संगला गांव में अचानक आई बाढ़ में एक ही परिवार के चार सदस्य बह गए। लापता लोगों में अब्दुल हमीद, उनकी पत्नी शरीफा बेगम, बेटी अरीबा और बहन मनीरा बेगम शामिल हैं।

अधिकारियों के अनुसार, नूनाबंदी गांव में एक मकान ढहने से नाजिया कौसर (28) की मौत हो गई। उनके पति मोहम्मद हाफिज और दो से छह वर्ष की आयु के तीन बच्चों को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुरनकोट के संगलानी क्षेत्र में मकान ढहने से शाहजैब अहमद (22) की मौत हो गई, जबकि मरहोट क्षेत्र में इरम नामक एक नाबालिग लड़की नाले में डूब गई। इसके अलावा, धुंधक लाथूंग पुल के निकट एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव भी बरामद किया गया।

सरकार वंदे मातरम् के अपमान को दंडनीय बनाने के लिए राज्यसभा में विधेयक लाएगी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को राज्यसभा में वह विधेयक लाने वाली है, जिसके तहत राष्ट्र गीत वंदे मातरम0 के गायन के दौरान किसी भी तरह का व्यवधान डालना या उसका अपमान करना आपराधिक कृत्य माना जायेगा। राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 को सोमवार के लिए राज्यसभा की कार्यसूची में शामिल किया गया है और गृह मंत्री अमित शाह इसे उच्च सदन में पेश करेंगे।

यह विधेयक राष्ट्र गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 में संशोधन के लिए लाया जा रहा है। इस कानून के तहत देश के राष्ट्रीय प्रतीकों जैसे राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्र गान का अपमान या अनादर करना एक आपराधिक कृत्य है, जिसके लिए तीन साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है। इस विधेयक का उद्देश्य राष्ट्र गीत वंदे मातरम0 को राष्ट्र गान 'जन गण मन' के समान वैधानिक संरक्षण प्रदान करना है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने जंजीबार के राष्ट्रपति म्विनी से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जंजीबार के राष्ट्रपति हुसैन अली म्विनी से रविवार को मुलाकात कर उच्च शिक्षा, क्षमता निर्माण, जलापूर्ति, स्वास्थ्य तथा डिजिटल क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। जंजीबार, तंजानिया का अर्ध-स्वायत्त प्रांत है। म्विनी 2020 से जंजीबार के राष्ट्रपति हैं। शिक्षा समेत विभिन्न क्षेत्रों में भारत के जंजीबार के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। अक्टूबर 2023 में वहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास का एक परिसर स्थापित किया गया था।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पर कहा, हमने उच्च शिक्षा, क्षमता निर्माण, जलापूर्ति, स्वास्थ्य, कृत्रिम मेधा, डिजिटल और प्राथमिकता वाले अन्य क्षेत्रों में अपना सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने जंजीबार स्थित आईआईटी मद्रास परिसर को भारत की घनिष्ठ साझेदारी तथा अफ्रीका की शिक्षा एवं विकास संबंधी प्राथमिकताओं के प्रति उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का ''शानदार उदाहरण'' बताया। म्विनी भारत की यात्रा पर हैं। इस बीच, उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने भी म्विनी के साथ ''व्यापक और सार्थक चर्चा'' की।

उपराष्ट्रपति कार्यालय ने कहा, बैठक में भारत-तंजानिया की दीर्घकालिक साझेदारी और जंजीबार के साथ भारत के विशेष संबंधों की फिर से पुष्टि की गई। ये संबंध सदियों पुराने समुद्री, सांस्कृतिक और लोगों के बीच आपसी संबंधों पर आधारित हैं। उसने कहा, दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, विकास साझेदारी, पर्यटन, नीली अर्थव्यवस्था, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि राधाकृष्णन ने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए तंजानिया और जंजीबार के साथ साझेदारी की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

आजादी के बाद देश में हुए किसी भी राजनीतिक बदलाव से अलग है बंगाल का परिवर्तन : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

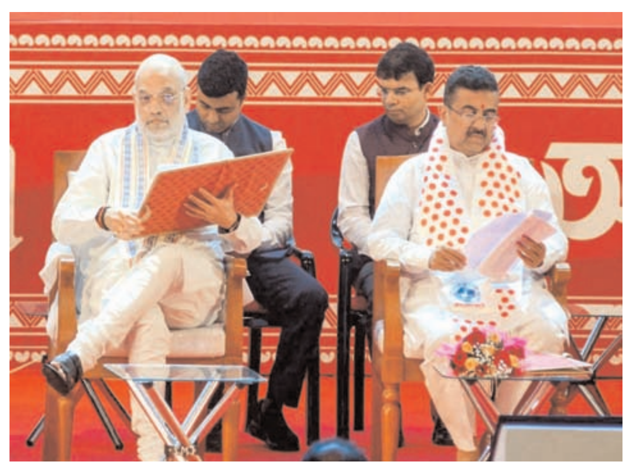

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि बंगाल में आया बदलाव आजादी के बाद देश के किसी भी राज्य में हुए राजनीतिक परिवर्तन से अलग है। शाह ने यहां अमूल बंगाल डेरी परियोजना के तहत दही उत्पादन संयंत्र की आधारशिला रखते हुए राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की सराहना की।

शाह ने पूर्वी कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर से हावड़ा में बनने वाले इस संयंत्र की आधारशिला डिजिटल माध्यम से रखी। इस मौके पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी मौजूद थे। शाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, बंगाल में आया बदलाव आजादी के बाद देश के किसी भी राज्य में देखे गए राजनीतिक परिवर्तन से अलग है। उन्होंने राज्य की पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा, पहले बंगाल पर तीन दशक तक वामपंथ की विदेशी विचारधारा का शासन रहा और उसके बाद 15 वर्षों तक भ्रष्ट एवं वैचारिक रूप से दिवालिया तृणमूल कांग्रेस की सरकार रही। शाह ने पश्चिम बंगाल के अपने तीन दिवसीय दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने शासन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की है। उन्होंने कहा, पिछले दो दिनों में हमने घुसपैठ रोकने, कानून-व्यवस्था मजबूत करने और महिलाओं की सुरक्षा बेहतर करने के लिए कई कदमों पर चर्चा की और निर्णय लिये हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि प्रस्तावित अमूल बंगाल डेरी परियोजना राज्य के डेरी क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगी और इससे दुग्ध उत्पादकों की आय में उल्लेखनीय सुधार होगा। करीब 700 करोड़ रुपये के निवेश वाली इस परियोजना में प्रतिदिन 30 लाख लीटर दूध का प्रसंस्करण किया जाएगा और हर दिन 10 लाख किलोग्राम दही तथा अन्य डेरी उत्पादों का उत्पादन किया जाएगा। इससे पश्चिम बंगाल के 1.25 लाख से अधिक डेरी किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जिनमें 30,000 से अधिक महिलाएं शामिल हैं। इस परियोजना का उद्देश्य पूर्वी भारत में सहकारी डेरी नेटवर्क को मजबूत करना और राज्य के दुग्ध उत्पादकों के लिए स्थायी बाजार तैयार करना है। न्यू टाउन में आयोजित कार्यक्रम शाह के तीन दिवसीय पश्चिम बंगाल दौरे का आखिरी कार्यक्रम था। इस दौरान उन्होंने कई आधिकारिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और विभिन्न बैठकों में भाग लिया।

दुनिया के सबसे बड़े दही उत्पादन संयंत्र की बंगाल में शाह ने आधारशिला रखी

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल में अमूल बंगाल डेरी परियोजना के तहत दुनिया के सबसे बड़े दही उत्पादन संयंत्र की आधारशिला रखी। शाह ने न्यू टाउन स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर से हावड़ा में बनने वाले इस संयंत्र की आधारशिला डिजिटल माध्यम से रखी। इस मौके पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और अमूल ब्रांड के तहत डेरी उत्पादों का विपणन करने वाली गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। करीब 700 करोड़ रुपये के निवेश से हावड़ा फूड पार्क में बनने वाली इस परियोजना की प्रतिदिन लगभग 30 लाख लीटर दूध प्रसंस्करण की क्षमता होगी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, संयंत्र में हर दिन करीब 1,000 टन दही और अन्य संवर्धित डेरी उत्पादों का उत्पादन किया जा सकेगा। इसके पूरा होने के बाद यह दुनिया की सबसे बड़ी दही उत्पादन इकाई बन जाएगी।

पुरस्कार

संयुक्त राज्य अमेरिका के मियामी में फीफा विश्व कप 2026 के कांस्य पदक (तीसरे स्थान) के लिए फ्रांस और इंग्लैंड के बीच खेले गए मुकाबले के बाद ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त करते इंग्लैंड के स्टार फुटबॉलर हैरी केन (बाएं)।

बिरला ने लोकसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने के लिए सहयोग की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद का मानसून सत्र शुरू होने से एक दिन पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को सभी दलों से सदन की कार्यवाही सुचारू और व्यवस्थित ढंग से चलाने में पूरा सहयोग देने की अपील की, ताकि जनहित से जुड़े मुद्दों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हो सके। बिरला ने कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए रचनात्मक विचार-विमर्श, सार्थक भागीदारी और संसदीय परंपराओं के उच्चतम मानकों के पालन के महत्व पर जोर दिया।

बैठक में हुई बातचीत से अवगत एक अधिकारी ने बताया कि अध्यक्ष ने सभी दलों से सुचारू और व्यवस्थित तरीके से सत्र चलाने में सहयोग देने की अपील की, ताकि लोगों से जुड़े मुद्दों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हो सके। बिरला ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जनहित के मुद्दों पर अपने विचार रखने के लिए लोकसभा में आमंत्रित भी किया। बैठक में सरकार और विपक्षी दलों के सदस्यों ने सत्र के दौरान उठाए जाने वाले विधायी और अन्य कार्यों पर अपने विचार रखे। सदस्यों ने सत्र के दौरान चर्चा के लिए जनहित और राष्ट्रीय महत्व के कई मुद्दे भी सुझाए और बीएसी ने इन सुझावों का संज्ञान लिया।

वहीं, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि विभिन्न विषयों पर चर्चा के कार्यक्रम और अलग-अलग कार्यों के लिए समय का आवंटन स्थापित संसदीय प्रक्रियाओं के अनुसार तथा सरकार और विपक्षी दलों के नेताओं के साथ विचार-विमर्श के बाद तय किया जाएगा। अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि सभी सदस्य व्यापक जनहित में मानसून सत्र को उत्पादक और गरिमापूर्ण बनाने के लिए मिलकर काम करेंगे।

पुताई का काम करने वाले छात्र ने नीट में 99.16 ‘पर्सेंटाइल’ हासिल किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में बूंदी जिले के 19 वर्षीय सूरज सैनी की जिंदगी में बृहस्पतिवार रात उस समय उम्मीद की नयी किरण जगी, जब राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के नतीजे घोषित किए गए। गुजर-बसर के लिए वर्षों से रंगाई-पुताई का काम करने वाले सूरज ने नीट में 99.16 ‘पर्सेंटाइल’ हासिल किए, जिससे उसके मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेने और डॉक्टर बनने की राह खुल गई और अब वह ‘ब्रश’ की जगह आला थामे नजर आएगा। कापरेन कस्बे के रहने वाले सूरज ने नीट में 583 अंकों के साथ अखिल भारतीय स्तर पर 16,569वीं और अन्य पिछला वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में 7,800वीं रैंक हासिल की, जिससे उसे किसी प्रतिष्ठित सरकारी मेडिकल कॉलेज में आसानी से दाखिला मिल सकेगा।

कोटा स्थित ‘एलन करियर इंस्टिट्यूट’ के छात्र सूरज के लिए यह उपलब्धि सिर्फ एक शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि संघर्षों से भरे बचपन से निकलकर नए जीवन की ओर बढ़ाया गया एक बड़ा कदम है। आर्थिक तंगी और माता-पिता के अलगाव जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद उसने यह मुकाम हासिल किया। सूरज की कहानी कठिन संघर्ष, अटूट हौसले और बेहतर जीवन हासिल करने के अथक प्रयासों की मिसाल है। सूरज अपनी मां घीसी बाई और छोटी बहन गरिमा के साथ रहता है। घीसी बाई खेतिहर मजदूर हैं, जबकि गरिमा को आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी। सूरज के पिता परिवार से अलग रहते हैं।

सूरज ने कक्षा आठ तक की पढ़ाई कापरेन के एक सरकारी स्कूल से की। माता-पिता के अलगाव के बाद वह अपनी मां और बहन के साथ तालेड़ा क्षेत्र के अलकोदिया गांव स्थित अपने ननिहाल में रहने लगा। वहीं, उसने स्थानीय स्कूल में कक्षा नौ में दाखिला लिया और मन लगाकर पढ़ाई की। उसने कक्षा 10 में 87 फीसदी और कक्षा 12 में 85 फीसदी अंक हासिल किए। जोधपुर के स्वास्थ्य विभाग में एएनएम के पद पर कार्यरत अपनी मौसी से प्रेरित होकर उसने जीव विज्ञान विषय चुना और डॉक्टर बनने का सपना देखा।

हालांकि, परिवार के लिए रोजमर्रा के खर्च पूरे करना लगातार एक बड़ी चुनौती बना हुआ था। विपरीत परिस्थितियों के आगे हार मानने के बजाय सूरज ने जिम्मेदारी उठाई और अपने मामा के मार्गदर्शन में रंगाई-पुताई का काम सीखा। वह छुट्टियों के दिन और स्कूल के बाद के समय में पुताई का काम करता था, ताकि घर का खर्च चलाने में मां की मदद कर सके। सूरज के मुताबिक, बचपन में अपनी मां को दिनभर खेतों में पसीना बहाता देख उसे डॉक्टर बनने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा मिली। उसने कहा, मैं अपने परिवार को गरीबी और मुश्किल हालात से बाहर निकालना चाहता था। हमारी आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण मेरी बहन को पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी, लेकिन अब मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि वह अपनी शिक्षा दोबारा शुरू करे।

सूरज ने कहा, मेरी मां ने खेतों में मजदूरी करके और मुझे पुताई के काम से मिलने वाले पैसे बचाए। कुछ साल पहले हमने अलकोदिया गांव में दो कमरों और बरामदे वाला खुद का घर बनाया। मैंने पूरे घर की पुताई खुद की। सूरज के अनुसार, कोटा के ‘एलन करियर इंस्टिट्यूट’ और ‘एलएन माहेश्वरी परमार्थ ट्रस्ट’ के शिक्षा संबल कार्यक्रम के बिना वह इस परीक्षा में इतनी बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाता। इस योजना के तहत जरूरतमंद और वंचित छात्रों को नि:शुल्क कोचिंग के साथ रहने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

उसने 2024 में कक्षा 12 की पढ़ाई के दौरान पहली बार नीट परीक्षा दी। इसके बाद उसने एक साल तक घर पर खुद से पढ़ाई की और वर्ष 2025 में फिर से परीक्षा दी। लेकिन सूरज के जीवन में असली बदलाव तब आया, जब उसका चयन ‘एलन करियर इंस्टिट्यूट’ के शिक्षा संबल कार्यक्रम के लिए हुआ। 2026 में अपने तीसरे प्रयास में उसने नीट सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर ली। ‘एलन करियर इंस्टिट्यूट’ के निदेशक और ‘एलएन माहेश्वरी परमार्थ ट्रस्ट’ के ट्रस्टी नवीन माहेश्वरी ने कहा, हिंदी माध्यम के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र अक्सर अवसरों और संसाधनों की कमी के कारण पीछे रह जाते हैं। हमने यह कार्यक्रम खासतौर पर ऐसे छात्रों के लिए ही शुरू किया था।

ड्यूटी के दौरान महिला थाने के एएसआई की मौत

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में महिला थाने में तैनात एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) की ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। महिला थाने के प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि शनिवार रात थाने में रात्रिकालीन अधिकारी (नाइट ऑफिसर) के रूप में ड्यूटी कर रहे एएसआई गिरधारी लाल मीणा (56) ने सांस लेने में तकलीफ और बेचैनी की शिकायत की। उन्होंने बताया, कुछ ही देर में उनकी हालत और बिगड़ गई तथा वह बेहोश हो गए। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों के अनुसार प्रथम दृष्टया उनकी मौत का कारण दिल का दौरा पड़ना माना जा रहा है। हालांकि, मृत्यु के सही कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। अलवर जिले के हमीरपुर गांव के निवासी मीणा करीब 35 वर्षों से पुलिस विभाग में सेवाएं दे रहे थे। उनके परिवार में एक पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। अधिकारियों ने बताया कि रविवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने दिवंगत एएसआई को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनका शव परिजनों को सौंप दिया। परिजन अंतिम संस्कार के लिए शव को उनके पैतृक गांव ले गए।

सभी अस्पताल आवश्यक स्टेंडर्ड प्रोटोकॉल्स की सख्ती से पालना करें : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रत्येक उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला की नामवार लिस्ट तैयार करें। साथ ही एएनएम तथा सीएचओ को प्रत्येक हाईरिस्क गर्भवती महिला के साथ नियमित मॉनिटरिंग के लिए अटैच करें। आवश्यकता होने पर रेफरल सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रदेशभर के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों एवं जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारियों को सोमवार को सुबह एएनएम की बैठक लेकर लाईनलिस्ट और उसके कारणों की समीक्षा के निर्देश दिए। ताकि समय रहते आवश्यक इंटरवेंशन किया जा सके। मुख्य सचिव ने रविवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य गतिविधियों की विस्तार से जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों के अधीक्षकों एवं गायनी विभागाध्यक्षों को पिछले 24 घंटों में सामान्य व सिजेरियन प्रसव एवं उनकी वर्तमान हालत के बारे में जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रत्येक चिकित्सालय में प्रसव सहित विभिन्न ऑपरेशन्स के लिए स्टेंडर्ड ऑपरेशन प्रोसीजर्स की पालना सुनिश्चित करें। इस दौरान विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञों ने लेबर रूम प्रोटोकॉल, इंफेक्शन कंट्रोल, एनस्थीसिया, बोयोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, कोल्ड चैन मैनेजमेंट, रैफरल प्रोटोकॉल आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश के सभी अस्पतालों में आवश्यक प्रोटोकॉल्स की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रसव के बाद अगले 24 घंटे धात्री महिला की इंटेसिव निगरानी रखने एवं उसके पोषण का समुचित रूप से ध्यान रखने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि चिकित्सा विभाग द्वारा संचालित किए गए अभियान में विभिन्न गतिविधियां संचालित की गयी हैं। जुलाई माह में सीकर, नागौर, जालौर, बांसवाड़ा एवं चूरू जिले में सबसे अधिक उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाएं चिन्हित की गयी हैं। उन्होंने कहा कि जिन गर्भवती महिलाओं के सीवियर एनीमिया है और जिनकी ड्यू डेट आने वाली है, उन्हें अगले आवश्यकता अनुसार ब्लड ट्रांस्फ्यूजन या एफसीएम इंजेक्शन या अल्टरनेट दिवस में आयरन शुक्रोज इंसर्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें माईल्ड या सामान्य स्थिति में लाया जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी जिले में 6 ग्राम या इससे कम हीमोग्लोबिन और कोई उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नामवार जानकारी एएनएम के साथ-साथ जिले के आरसीएचओ एवं सीएमएचओ द्वारा रखी जाए। इन गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एएनएम द्वारा प्रत्येक तीसरे दिन जांच की जानी आवश्यक है।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए प्रसव नियोजन जैसे उनकी स्वास्थ्य स्थिति के मुताबिक आवश्यक अस्पताल का चयन, प्रसव की तिथि की जानकारी एवं रेफरल जैसी व्यवस्थाओं का समुचित प्रबंधन करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह भी ध्यान रखा जाए कि गर्भवती महिला के ममता कार्ड पर पूर्ण एवं सही जानकारी स्पष्ट भाषा में अंकित की जानी आवश्यक है। बैठक में आयुक्त चिकित्सा शिक्षा बाबूलाल गोयल, प्राचार्य एसएमएस मेडिकल कॉलेज डॉ. दीपक माहेश्वरी, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

दो वर्षों में राज्यसभा सदस्यों के वेतन-भत्तों व सुविधाओं पर 262 करोड़ रुपये से अधिक खर्च : आरटीआई

जयपुर। राज्यसभा के सभी मौजूदा सदस्यों के वेतन, भत्तों और विभिन्न सुविधाओं पर पिछले दो वित्त वर्षों 2024-25 और 2025-26 के दौरान 262 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए। इनमें से 151 करोड़ रुपये से अधिक राशि केवल भत्तों और यात्रा मद पर व्यय की गई। यह जानकारी सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त जवाब में सामने आई है। आरटीआई के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यसभा सदस्यों पर सरकारी खजाने से 98 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए, जबकि 2025-26 में यह राशि बढ़कर 163 करोड़ रुपये से अधिक हो गई। इस प्रकार खर्च में लगभग 65 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई।

इस खर्च में घरेलू और विदेशी यात्राएं, कार्यालय व्यय तथा चिकित्सा बिल भी शामिल हैं। आरटीआई जवाब के अनुसार, वर्ष 2024-25 में राज्यसभा सदस्यों के वेतन पर 25.71 करोड़ रुपये से अधिक, चिकित्सा बिलों पर 8.20 करोड़ रुपये, यात्रा व्यय पर 24.99 करोड़ रुपये और भत्तों पर 33.33 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए। वहीं, वर्ष 2025-26 में वेतन पर 44.60 करोड़ रुपये से अधिक, चिकित्सा बिलों पर 9.60 करोड़ रुपये, यात्रा व्यय पर 36 करोड़ रुपये तथा भत्तों पर 58.78 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए। यह जानकारी राज्यसभा सचिवालय ने आरटीआई आवेदक चंद्रशेखर गौर द्वारा दायर आवेदन के जवाब में उपलब्ध कराई। जवाब के अनुसार, राज्यसभा सदस्य 21 विभिन्न मदों के तहत सुविधाओं और भुगतान के पात्र हैं।

धार्मिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही राज्य सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य हनुमान कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वामी गोविन्द देव गिरी जी महाराज जैसे संतों के सान्निध्य में होने वाले धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मकता और उच्च संस्कारों का संचार करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आज अमृत काल में है और दुनिया के अग्रणी राष्ट्रों के रूप में उभर रहा है। स्वामी विवेकानंद जी ने जिस सांस्कृतिक वैभव का सपना देखा था, आज हमारी संस्कृति उसी रूप में पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने कहा कि भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक और बद्रीनाथ-केदारनाथ धाम का जीर्णोद्धार नए भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने 22 जनवरी के ऐतिहासिक दिन को याद करते हुए कहा कि लंबे इंतजार के बाद जब प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा हुई, तो पूरी दुनिया उस पल की साक्षी बनी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत के संरक्षण का कार्य निरन्तर कर रही है। खाटूश्याम जी, गिरराज जी और पुष्कर के ब्रह्मा मंदिर सहित प्रमुख धार्मिक केंद्रों के विकास के लिए सरकार काम कर रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का वैदिक परंपरा के अनुरूप मंत्रोच्चार के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने चारों वेद ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का वाचन कर रहे बटुकों के वैदिक मंत्रोच्चार का श्रवण किया। हनुमान कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालु भक्तिभाव में सराबोर नजर आए। इस अवसर पर विधायक बालमुकुंद आचार्य, ठाकुर गोविन्ददेव चतुर्वेद विद्यापीठ के न्यासी संदीप झंवर सहित अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सनातन संस्कृति इतिहास से भावी पीढ़ी को मिलेगी प्रेरणा : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जोधपुर जिला प्रभारी मंत्री एवं शिक्षा (विद्यालयी/संस्कृत) तथा पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर रविवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिराई (भोपालगढ़) में आयोजित ‘भारतीय सनातन संस्कृति पुनरुत्थान भवन’ के लोकार्पण समारोह में शामिल हुए। समारोह में सतगुरु स्वामी सुंदरदासजी महाराज, पाली सांसद पी.पी. चौधरी, जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली, ओसियां विधायक भैराराम सियोल, उपस्थित रहे। जिला प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बिराई आकर वे अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा निरंतर जनकल्याण के कार्य किए जा रहे हैं। क्षेत्र में किसी भी प्रकार का संकट अथवा परेशानी आने पर यह ट्रस्ट सदैव आगे बढ़कर जरूरतमंदों की सहायता करता है।

समाज के प्रति ट्रस्ट की सेवा भावना और जनकल्याणकारी गतिविधियां सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों को सुंदरदासजी महाराज का निरंतर आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। संतों के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से समाज में सेवा, सद्भाव, संस्कार और मानवीय मूल्यों को मजबूती मिलती है।

दिलावर ने कहा कि अनंत सुखरामजी ट्रस्ट द्वारा भव्य ‘भारतीय सनातन संस्कृति पुनरुत्थान भवन’ का निर्माण किया गया है। यह भवन वर्तमान और भावी पीढ़ियों को भारत के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपराओं तथा सनातन जीवन मूल्यों से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शिक्षा मंत्री ने गांवों में सफाई व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

जयपुर/दक्षिण भारत । शिक्षा (विद्यालयी/संस्कृत) एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने रविवार को जोधपुर से बिराई गांव जाते समय बावड़ी पंचायत समिति क्षेत्र के विभिन्न गांवों में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने गांवों में सार्वजनिक स्थानों, मुख्य मार्गों तथा आबादी क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का अवलोकन करते हुए ग्रामीणों से पंचायत स्तर पर की जा रही नियमित सफाई और कचरा संग्रहण व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। दिलावर ने सर्वप्रथम ग्राम पंचायत भवात के गांव भवात में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने गांव में पंचायत द्वारा प्रतिदिन करवाई जा रही सफाई, घरों एवं सार्वजनिक स्थानों से कचरा एकत्रित करने तथा उसके समुचित निस्तारण के संबंध में ग्रामीणों से संवाद किया।

उन्होंने ग्रामीणों से पूछा कि पंचायत की ओर से सफाईकर्मी नियमित रूप से गांव में आते हैं अथवा नहीं तथा घरों और गलियों से कचरा संग्रहण की व्यवस्था निर्धारित समय पर संचालित हो रही है या नहीं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए नियमित सफाई के साथ-साथ कचरे का समयबद्ध संग्रहण और सुरक्षित निस्तारण आवश्यक है।

इसके पश्चात पंचायती राज मंत्री ने ग्राम पंचायत गंगाणी के गांव गंगाणी में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से पंचायत द्वारा प्रतिदिन सफाई करवाने, गलियों और सार्वजनिक स्थानों से कचरा उठाने तथा गांव में स्वच्छता बनाए रखने के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतें सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें तथा सार्वजनिक स्थानों, मुख्य मार्गों और आबादी क्षेत्रों में कचरा एकत्रित नहीं होने दिया जाए। सफाई कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए और निर्धारित व्यवस्था के अनुसार प्रतिदिन कचरा संग्रहण सुनिश्चित किया जाए।

दिलावर ने ग्राम सेवकी कलां में भी सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने गांव में सफाई की स्थिति देखते हुए ग्रामीणों से प्रतिदिन सफाई एवं कचरा संग्रहण व्यवस्था के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि गांवों में सफाई व्यवस्था को नियमित, प्रभावी और परिणामपरक बनाया जाए। सफाईकर्मियों की उपस्थिति एवं कार्यों की नियमित निगरानी की जाए तथा गांवों से एकत्रित कचरे का निर्धारित स्थान पर समुचित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

समय से पहले जन्मे बच्चों में गंभीर जोखिम की शीघ्र पहचान में कारगर है ‘क्रिब-2’ स्कोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सवाई मानसिंह (एसएमएस) मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों के एक अध्ययन में पाया गया है कि एक सरल स्कोरिंग प्रणाली समय से पहले जन्मे और कम वजन वाले नवजात शिशुओं में गंभीर स्वास्थ्य जोखिम की शीघ्र पहचान करने तथा उनके जीवित रहने की संभावना बढ़ाने में मददगार हो सकती है। जयपुर के जेके लोन अस्पताल में समय से पहले जन्मे 181 नवजात शिशुओं पर किए गए इस अध्ययन में अस्पताल में भर्ती के तुरंत बाद उनकी स्वास्थ्य स्थिति का आकलन करने के लिए ‘क्रिब-2’ (क्लीनिकल रिस्क इंडेक्स फॉर बेबीज-2) स्कोर की उपयोगिता रेखांकित की गई है। अध्ययन के निष्कर्ष ’इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक रिसर्च’ में प्रकाशित हुए हैं।

अध्ययन से जुड़े बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. योगेश यादव ने कहा कि इस स्कोर के जरिए शुरुआती आकलन उपचार संबंधी निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा, यदि भर्ती के समय ही ‘क्रिब-2’ स्कोर की गणना कर ली जाए, तो नवजात की स्थिति की गंभीरता का पता चल जाता है। इससे चिकित्सकों को शुरुआती चरण में ही सही उपचार रणनीति तय करने में मदद मिलती है और बच्चे को बचाने की संभावना बढ़ जाती है।

अध्ययन में पाया गया कि जिन नवजातों का ‘क्रिब-2’ स्कोर अधिक था, उनमें मृत्यु का जोखिम भी अधिक था। अध्ययन में शामिल शिशुओं की औसत गर्भकाल अवधि लगभग 28.88 सप्ताह थी, जबकि उनका औसत जन्म वजन 1.01 किलोग्राम था, जो सामान्य से काफी कम है। डॉ. यादव ने स्कोरिंग प्रणाली की व्याख्या करते हुए कहा, शून्य से पांच अंक का अर्थ कम जोखिम, छह से 10 अंक मध्यम जोखिम, 11 से 15 अंक उच्च जोखिम और 15 से अधिक अंक अत्यधिक उच्च जोखिम को दर्शाते हैं। स्कोर जितना अधिक होगा, गंभीर बीमारी और मृत्यु का खतरा उतना ही अधिक होगा।उन्होंने बताया कि ‘क्रिब-2’ स्कोर पांच मानकों पर आधारित है- जन्म के समय वजन, गर्भकाल अवधि, भर्ती के समय शरीर का तापमान, रक्त में अम्लीयता (एसिड स्तर) और नवजात का लिंग। डॉ. यादव ने कहा, ‘क्रिब-2’ केवल मृत्यु के जोखिम का अनुमान लगाने वाला स्कोर नहीं है, बल्कि नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में उपचार संबंधी निर्णय लेने का एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपकरण है। शुरुआती कुछ घंटों में ही इससे यह पहचान की जा सकती है कि कौन-सा नवजात अधिक जोखिम में है। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली विशेष रूप से उन परिस्थितियों में अधिक उपयोगी है, जहां चिकित्सा संसाधन सीमित हों। उन्होंने कहा, जब बिस्तर, वेंटिलेटर या प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की संख्या सीमित हो, तब अधिक ‘क्रिब-2’ स्कोर वाले नवजातों को एनआईसीयू में प्राथमिकता दी जा सकती है। यह यह तय करने में भी मदद करता है कि किन नवजातों को तत्काल उच्च स्तरीय चिकित्सा केंद्रों में रेफर किए जाने की आवश्यकता है।

डॉ. यादव ने कहा कि यह स्कोर चिकित्सकों को नवजात के परिजनों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने में भी मदद करता है। उन्होंने कहा, ‘क्रिब-2’ के माध्यम से हम अभिभावकों को बच्चे की स्थिति, संभावित परिणाम और उपचार की आवश्यकता के बारे में अधिक स्पष्ट और सटीक जानकारी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे सीमित संसाधनों वाले देश में ‘क्रिब-2’ का नियमित उपयोग नवजात शिशुओं की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार ला सकता है और मृत्यु दर कम करने में सहायक हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि समय से पहले जन्म भारत में नवजात शिशुओं की मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। ऐसे में ‘क्रिब-2’ जैसे सरल और विश्वसनीय उपकरणों का उपयोग समय पर उपचार सुनिश्चित करने और बेहतर परिणाम हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

कर्नाटक में आज से शुरू होगा कांग्रेस का संगठन पुनर्गठन अभियान : बीके हरिप्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी के हरिप्रसाद ने रविवार को कहा कि पार्टी का राज्य में संगठनात्मक पुनर्गठन अभियान सोमवार से शुरू होगा और यह कवायद 'भारत जोड़ो' पहल के तहत की जा रही है। हरिप्रसाद ने उन्हें कर्नाटक मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की अटकलों को भी खारिज किया और कहा कि मंत्रिमंडल का गठन पूरी तरह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि वह नई दिल्ली केवल पार्टी नेतृत्व के समक्ष अपनी राय रखने के लिए जाएंगे।

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख ने रविवार को संवाददाताओं से कहा, ''कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल 24 जुलाई को इस अभियान का उद्घाटन करने पहुंचेंगे। कांग्रेस ने देशभर में संगठन पुनर्गठन अभियान शुरू किया है। कर्नाटक दक्षिण भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां यह अभी शुरू नहीं हुआ है।'' हरिप्रसाद ने बताया कि करीब 170 पर्यवेक्षक, जिनमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के 40 और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के लगभग 120 पर्यवेक्षक शामिल होंगे, प्रत्येक जिले में कम से कम सात दिन बिताएंगे। ये सभी ब्लॉक स्तर तक जाकर रिपोर्ट तैयार करेंगे और सुझाव देंगे कि मौजूदा जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्षों को पद पर बनाए रखा जाए या बदला जाए। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर पार्टी आलाकमान अंतिम फैसला करेगा। उन्होंने इसे बेलगावी में कांग्रेस कार्यसमिति के प्रस्ताव के बाद पार्टी की पहली व्यापक संगठनात्मक कवायद बताया। केपीसीसी पदाधिकारियों में बदलाव को लेकर हरिप्रसाद ने कहा कि पूर्व अध्यक्ष के इस्तीफे के बाद नई कमेटी का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तब तक मौजूदा उपाध्यक्ष और महासचिव अपने पदों पर बने रहेंगे।

अपने मंत्री बनने की अटकलों को खारिज करते हुए हरिप्रसाद ने कहा, ''यह एक साजिश है जो पिछले तीन साल से हो रही है। यह सफल नहीं होगी। यह मुझे राजनीतिक रूप से खत्म करने की कोशिश है। मैंने 50 साल तक पार्टी की सेवा की है, किसी पद या कुर्सी के लिए नहीं, बल्कि पार्टी को सत्ता में लाने के लिए।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का समर्थन करेगी और पार्टी व सरकार के बीच समन्वय पहले से मौजूद है ताकि पार्टी के कार्यक्रमों को लागू किया जा सके। चुनावी रणनीति पर बात करते हुए हरिप्रसाद ने कहा कि 2028 का कर्नाटक विधानसभा चुनाव कांग्रेस के लिए केवल ''एक सेमीफाइनल'' होगा। उन्होंने कहा, ''सबसे महत्वपूर्ण 2029 का लोकसभा चुनाव है। हमारा लक्ष्य राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है।'' बिडदी टाउनशिप परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) (जद-एस) की ओर से घोषित पदयात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए हरिप्रसाद ने जद-एस पर टिप्पणी करने से इनकार किया और कहा कि वह अपने ही मुद्दों से जूझ रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि भाजपा के अभियान का कांग्रेस उचित जवाब देगी।

केंद्र शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा रहा : हरिप्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी के हरिप्रसाद ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर बार-बार हो रहे प्रश्नपत्र लीक के जरिए देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाने का रविवार को आरोप लगाया। उन्होंने ऐसे सभी मामलों की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि छात्रों का भरोसा बहाल करने के लिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के ''छात्रों की गूंज'' अभियान को पूरे कर्नाटक में चलाया जाएगा।

हरिप्रसाद ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने के कारण करीब 23 लाख नीट अभ्यर्थियों का भविष्य अनिश्चितता में पड़ गया। उन्होंने कहा कि जब तक केंद्र सरकार इन सवालों का जवाब नहीं देती, कांग्रेस इस मुद्दे पर कर्नाटक और संसद, दोनों जगह अपना आंदोलन जारी रखेगी। कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य ने कहा कि देशभर के छात्र उनके साथ हो रहे अन्याय को लेकर चिंता और असमंजस की स्थिति में जी रहे हैं।

हरिप्रसाद ने कहा कि छात्रों की चिंताओं को दूर करने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए राहुल गांधी ने हाल में राजस्थान के कोटा में ''छात्रों की गूंज'' अभियान की शुरुआत की थी। उन्होंने बताया कि यह पहल छात्रों की लगातार हो रही मौत की घटनाओं के बाद शुरू की गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने गांधी से कर्नाटक का दौरा कर छात्रों से संवाद करने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान को पूरे राज्य में चलाया जाएगा।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि 2014 से 2026 के बीच प्रश्नपत्र लीक की 152 घटनाएं हुई हैं। उन्होंने दावा किया कि इन घटनाओं ने छात्रों का परीक्षा प्रणाली से विश्वास तोड़ दिया है। उन्होंने इन मामलों में हुई जांच, अभियोजन और दोषसिद्धि को लेकर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार से जवाब मांगा।

मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और उप-मुख्यमंत्री जी. परमेश्वर रविवार को बेंगलूरु स्थित विधान सौध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्य के विभिन्न जिलों के उपायुक्तों और जिला पंचायत मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ सूखे की स्थिति की समीक्षा करते हुए।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को सूखे के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए, लापरवाही के खिलाफ चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, आपकी उदासीनता के कारण किसी भी किसान को नुकसान नहीं होना चाहिए। किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रविवार को विधान सौधा में राज्य भर के सूखाग्रस्त जिलों को संबोधित करने के लिए बुलाई गई जिला परिषदों की बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल, पशुओं के लिए चारा, फसल नुकसान के लिए बीमा और राज्य के ग्रामीण इलाकों में जल समस्याओं को कम करने के लिए बोरवेल खोदना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं।

यह एक बहुत महत्वपूर्ण बैठक है। आने वाले दिनों में हमें सूखे से उत्पन्न होने वाले किसी भी संकट से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। हम यहाँ कागजी कार्रवाई देखने नहीं आए हैं। सभी आंकड़ों और सांख्यिकी का जमीनी हकीकत से मिलान किया जाएगा। इसलिए बिना सत्यापन के मात्र आंकड़े न दें, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया।

हमारी सरकार इस दौरान कृषि क्षेत्र, विशेष रूप से कर्नाटक के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की मदद के लिए सभी हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है। कर्नाटक में भारी वर्षा की कमी है। बुवाई केवल 32 प्रतिशत हुई है। पांच-छह जिलों को छोड़कर लगभग 82 प्रतिशत जिलों में अपर्याप्त वर्षा हो रही है, उन्होंने अधिकारियों को बताया।

जलाशयों में पानी की कमी होने की आशंका है, इसलिए पीने के पानी को प्राथमिकता देना सर्वोपरि है।

अधिकारियों को जमीनी स्तर पर जाकर स्थिति का जायजा लेना चाहिए। किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी से गंभीरता से निपटा जाएगा और उसके बाद कार्रवाई की जाएगी। बोरवेल के लिए दोहरा बिल बनाना या पहले से खोदे गए बोरवेल के लिए नए बिल जारी करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी।

राजस्व विभाग, ऊर्जा विभाग, कृषि एवं जल संसाधन विभाग और जल संसाधन विभाग को सूखे से उत्पन्न समस्याओं को कम करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में केंद्र सरकार की समितियां निरीक्षण के लिए आपके क्षेत्रों का दौरा करेंगी। आपको तथ्यों और आंकड़ों के साथ अच्छी तरह तैयार रहना चाहिए और उन्हें प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, मंत्री के.जे. जॉर्ज, रामलिंगा रेड्डी, ईश्वर खंड्रे और यतींद्र सिद्दरामय्या, मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश, मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार एल.के. अतीक, अतिरिक्त मुख्य सचिव तुषार गिरिनाथ और गौरव गुप्ता, साथ ही अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

चेन्नई के पास पुलिस पर हमले के बाद कुख्यात अपराधी के पैर में गोली लगी

चेन्नई। चेन्नई के निकट तिरुमुडिवक्कम में एक कुख्यात अपराधी हिरासत से भागने के दौरान पुलिस की गोलीबारी में घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दीं आरोप है कि हिरासत से भागने के प्रयास के दौरान उसने एक हेड कांस्टेबल पर हमला कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने उस पर गोली चलाई। आरोपी की पहचान तमिल अलगु के रूप में हुई है। वह एक कुख्यात अपराधी है, जिसके खिलाफ रंगदारी, हत्या के प्रयास समेत कई जघन्य अपराधों के मामले दर्ज हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, पुलिस की विशेष टीम ने शनिवार देर रात तमिल अलगु को गिरफ्तार किया था। प्रारंभिक पूछताछ में एक मामले में जानकारी के आधार पर रविवार तड़के पुलिस उसे तिरुमुडिवक्कम के एक सुनसान स्थान पर छिपाकर रखे गए हथियारों का जखीरा बरामद करने के लिए ले गई। हालांकि, घटनास्थल पर पहुंचते ही तमिल अलगु ने अचानक छिपाकर रखा गया एक धारदार हथियार निकाल लिया और हेड कांस्टेबल सरवनन के हाथ पर वार कर दिया। हमले में हेड कांस्टेबल के घायल होने के बाद आरोपी भागने लगा। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के भागने और पुलिसकर्मियों के लिए उत्पन्न तत्काल खतरे को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक ने पहले हवा में गोलियां चलाकर चेतावनी दी।

मुख्यमंत्री ने फुटबॉल प्रशंसकों से फीफा विश्व कप फाइनल के दौरान धैर्य बनाए रखने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को फुटबॉल प्रेमियों से फीफा विश्व कप फाइनल देखते समय धैर्य और शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि मैच के सीधे प्रसारण की सुविधा के लिए सरकार ने होटल और रेस्तरां को देर रात 3.30 बजे तक खुले रखने की विशेष अनुमति दी है।

मुख्यमंत्री ने विधान सौध में संवाददाताओं से कहा कि युवाओं की इच्छा को देखते हुए राज्य सरकार ने होटल और रेस्तराओं को सामान्य समय से अधिक देर तक खुले रहने की अनुमति दी है ताकि फुटबॉल प्रशंसक फाइनल मुकाबला देख सकें। शिवकुमार ने कहा, पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर कैमरे लगाए हैं। मैच में कोई भी जीते, लेकिन युवाओं को अपना धैर्य नहीं खोना चाहिए। उन्हें फुटबॉल मैच शांति से देखना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने राज्य में उभरती सूखे की स्थिति से निपटने की तैयारियों की भी समीक्षा की और कहा कि मंत्रियों, उपायुक्तों तथा पुलिसकर्मियों को चौबीसों घंटे काम करना होगा। उन्होंने कहा, मंत्रियों, उपायुक्तों और पुलिस के लिए न तो रविवार है और न ही कोई छुट्टी। उन्हें 24 घंटे काम करना होगा। इसलिए हम सूखे की स्थिति से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए उपायुक्तों और मुख्य कार्यपालक अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेताओं को दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने 72 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में 10 सम्मान हासिल करने के लिए राज्य के फिल्म उद्योग के कलाकारों को रविवार को बधाई दी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राज्य के लिए गर्व की बात है कि तमिल फिल्म जगत ने 2024 में रिलीज हुई फिल्मों के लिए विभिन्न श्रेणियों में बड़ी जीत हासिल की है। इन पुरस्कारों की घोषणा शनिवार रात नई दिल्ली में की गई थी।

विजय ने अभिनेता-निर्देशक धनुष की सराहना की, जिनकी निर्देशित फिल्म 'रायन' ने सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म का पुरस्कार जीता। धनुष को फिल्म 'कैप्टन मिलर' में उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की श्रेणी में विशेष उल्लेख भी मिला। मुख्यमंत्री ने 'अमरन' की टीम को बधाई दी, जिसने तीन प्रमुख श्रेणियों में जीत हासिल की। राजकुमार पेरियासामी ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता, आर. कलाईवन्नन ने सर्वश्रेष्ठ संपादन पुरस्कार हासिल किया और जी. वी. प्रकाश कुमार ने सर्वश्रेष्ठ पृष्ठभूमि संगीत का पुरस्कार अपने नाम किया। आधिकारिक विज्ञप्ति में 'महाराजा' फिल्म की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें अनल अरासु ने सर्वश्रेष्ठ स्टंट कोरियोग्राफी का पुरस्कार जीता और सचना नामिदास ने सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान हासिल किया। राज्य के अन्य प्रमुख विजेताओं में सुरेन जी. शामिल थे, जिन्हें मेयाझगन' फिल्म के लिए ऑडियोग्राफी में विशेष उल्लेख मिला, और टी एस हरिहरसुधन शामिल थे, जिन्होंने लघु फिल्म ब्लू' के लिए सर्वश्रेष्ठ 'साउंड डिजाइन' का पुरस्कार जीता।

श्रद्धांजलि

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक और केंद्रीय राज्य मंत्री वी. सोमन्ना रविवार को बेंगलूरु में कुमारस्वामी की दिवंगत माता चेन्नम्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद0।

कोयंबटूर में पूछताछ के बहाने युवती का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस कांस्टेबल गिरफ्तार

कोयंबटूर। तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक पुलिस कांस्टेबल को पूछताछ के बहाने अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर एक युवती का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में निलंबित करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि यह घटना 15 जुलाई की शाम की है, जब पीड़िता अपने एक पुरुष मित्र के साथ बातचीत कर रही थी और थुडियालुर थाने में तैनात तथा गश्त ड्यूटी पर मौजूद कांस्टेबल विनोद कुमार की नजर दोनों पर पड़ी। सूत्रों के अनुसार, कांस्टेबल ने दोनों को रोक लिया और वहां मौजूद होने को लेकर उन्हें धमकाते हुए उनसे सवाल-जवाब किए। उन्होंने बताया कि इसके बाद कांस्टेबल ने युवती को अलग ले जाकर उससे पूछताछ करने को कहा।

सूत्रों के मुताबिक, युवती के अकेले होने पर कांस्टेबल ने कथित तौर पर उसके साथ अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया और उसका यौन उत्पीड़न किया। इस घटना से आहत युवती ने अपने मित्र को आपबीती बताई।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार रविवार को बेंगलूरु में एक शिष्टाचार मुलाकात के दौरान लोकप्रिय अभिनेता अर्जुन सरजा के साथ।

'जन नायकन' की रिलीज से पहले तिरुपुर की परिधान फैक्टरियां विशेष टी-शर्ट' तैयार करने में जुटीं

चेन्नई/दक्षिण भारत । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की अंतिम फिल्म मानी जा रही 'जन नायकन' की रिलीज में अब कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में प्रशंसकों के लिए विशेष रूप से तैयार की जा रही 'टी-शर्ट' की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तमिलनाडु के वस्त्र उद्योग के केंद्र तिरुपुर की परिधान फैक्टरियां चौबीसों घंटे काम कर रही हैं। कई महीनों तक चले मुकदमों, फिल्म के ऑनलाइन लीक होने और सेंसर बोर्ड के साथ रही गतिरोध की स्थिति के बाद यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे राज्यभर के प्रशंसक अभिनेता से नेता बने विजय की तस्वीर वाली विशेष 'टी-शर्ट' के बड़े पैमाने पर 'ऑर्डर' स्थानीय विनिर्माताओं को दे रहे हैं, जिससे इन फैक्टरियों का उत्पादन चरम पर पहुंच गया है। 'तिरुपुर टेक्सटाइल यूनिट एसोसिएशन' के सदस्य के. प्रभाकरन ने कहा, कुछ दिन पहले फिल्म की रिलीज की घोषणा होने के बाद से यहां की वस्त्र निर्माण इकाइयां जन नायकन' की विशेष टी-शर्ट तैयार करने के लिए 'ओवर टाइम' काम कर रही हैं।''

उन्होंने बताया कि फिल्म की रिलीज में अब केवल चार दिन शेष हैं और 700 से अधिक वस्त्र इकाइयां टी-शर्ट के उत्पादन में जुटी हुई हैं। बढ़ती मांग को देखते हुए अधिकांश स्थानीय विनिर्माता राज्य भर में कूरियर सेवा और कैश ऑन डिलीवरी' (वस्तु प्राप्त होने पर भुगतान करने) की सुविधा भी उपलब्ध करा रहे हैं। स्थानीय परिधान फैक्टरी के मालिक के. सेवा नाथन ने कहा, ''कई वर्षों बाद हम इस तरह का उत्साह देख रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि केवल तमिलनाडु ही नहीं, बल्कि पड़ोसी राज्यों केरल और कर्नाटक से भी बड़ी संख्या में ऑर्डर मिल रहे हैं। इन टी-शर्ट पर मुख्यमंत्री विजय की लोकप्रिय तस्वीरों के साथ फिल्म का शीर्षक छपा है। कई 'ऑर्डर' में उनके राजनीतिक सफर का जश्न मनाने वाले नारे भी शामिल हैं। नाथन के अनुसार, ''फिल्म की रिलीज से पहले तय समय सीमा के भीतर ऑर्डर पूरे करने के लिए प्रिंटिंग इकाइयों में दोहरी पाली में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इनमें काम करने वाले कई कर्मचारी खुद भी विजय के जबरदस्त प्रशंसक हैं। उनके लिए यह केवल काम नहीं, बल्कि अपने पसंदीदा अभिनेता को सम्मान देने जैसा है।'' तमिलनाडु फिल्म वितरक संघ के सूत्रों ने बताया कि 23 जुलाई से यह फिल्म राज्य के लगभग 1,000 सिनेमाघरों में प्रदर्शित किए जाने की संभावना है। फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सेंसर बोर्ड) की मंजूरी मिलने की प्रक्रिया में काफी देरी हुई।

लोकसभा के वर्तमान संख्याबल के आधार पर महिला आरक्षण लागू हो : द्रमुक

चेन्नई/नई दिल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने रविवार को कहा कि सरकार को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने तथा परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक पर स्पष्ट फार्मूला सामने रखना चाहिए और यह आरक्षण निचले सदन के वर्तमान संख्याबल के आधार पर दिया जाना चाहिए। पार्टी के वरिष्ठ नेता तिरुची शिवा ने सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में यह मुद्दा उठाया। बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, द्रमुक मौजूदा लोकसभा सीटों की संख्या के आधार पर महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में है।

सुविचार

ईमानदारी सबसे बड़ा आभूषण है। सत्य का मार्ग कठिन हो सकता है, लेकिन अंत में वही विजय दिलाता है। सच्चाई को अपनाएं, सम्मान स्वयं मिलेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पीओके में धधक रहा 'लावा'

संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यालय ने पीओके में जारी अशांति पर जिन शब्दों में चिंता जताई है, उससे कोरी रस्म–अदायगी का संकेत मिलता है। क्या इस कार्यालय को मालूम नहीं कि पाकिस्तान पीओके में क्या कर रहा है? जिस देश ने उस इलाके पर अवैध कब्जा कर रखा है, संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त उसी से निष्पक्ष जांच कराने का आग्रह कर रहे हैं! उन्हें तो पाकिस्तान की कड़ी निंदा करनी चाहिए, क्योंकि इस देश ने पीओके को जुल्म, ज्यादती और तबाही के अलावा कुछ नहीं दिया। वहां क्षेत्रीय चुनावों से पहले फैली भयंकर अशांति इस बात की गवाह है कि लोगों को पाकिस्तानी सरकार और फौज पर रत्तीभर विश्वास नहीं है। वहां चुनाव आयोग फौज की कठपुतली बन चुका है। उससे और स्थानीय अधिकारियों से यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि वे कभी निष्पक्ष चुनाव कराएंगे? जेएएसी के नेतृत्व में हो रहे विरोध प्रदर्शन के पीछे सिर्फ स्थानीय राजनीतिक प्रतिनिधित्व में बदलाव का मुद्दा नहीं है। यह एक वजह हो सकती है, लेकिन उसके पीछे कई वजह हैं, जो लोगों के दिलो–दिमाग में लावा बनकर धधक रही हैं0। पाकिस्तानी फौज ने कई स्थानीय नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम लोगों को जेल में डाल रखा है। उनकी रिहाई की मांग की जा रही है, लेकिन उन्हें अदालतों से राहत नहीं मिल रही है, क्योंकि जजों पर रावलपिंडी का दबाव है। ऐसे में यह आशंका गलत नहीं है कि उनमें से कई लोग गुमनामी में परलोक सिधार सकते हैं या कई साल यूं ही जेल में बिताने के बाद बाहर आ सकते हैं0। तब वे फौज के लिए 'खतरा' नहीं होंगे।

पीओके में पाकिस्तानी फौज की मनमानी अपनी जगह है। प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी भी जनता का खून चूसते हैं। दफ्तरों में लोगों की अर्जियां रद्दी की टोकरी की शोभा बढ़ाती हैं।

पीओके में पाकिस्तानी फौज की मनमानी अपनी जगह है। प्रशासनिक अधिकारी–कर्मचारी भी जनता का खून चूसते हैं0। दफ्तरों में लोगों की अर्जियां रद्दी की टोकरी की शोभा बढ़ाती हैं। सड़क, पुल और नाली जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए वर्षों पहले दी गईं कई अर्जियों को दीमक खा चुकी है। लगभग चार दशक पहले जम्मू–कश्मीर में यह दुष्प्रचार बहुत जोर–शोर से किया गया था कि 'एलओसी के उस पार यानी पीओके में खुशहाली है ... वहां सब भाई–भाई हैं ... वह इलाका जन्नत है ... उधर तो भरपूर आज़ादी है ... वहां चैन ही चैन है, किसी चीज की कोई कमी नहीं है।' इन झूठे दावों पर विश्वास कर कई लोग उधर चले गए थे। आज वे अपनी किस्मत को कोस रहे होंगे। पीओके में 'खुशहाली' का तो यह हाल है कि अक्टूबर 2005 में आए भूकंप में जिन स्कूलों की इमारतें क्षतिग्रस्त हुई थीं, वहां आजतक एक ईंट नहीं लगाई गई0। 'भाई–भाई' वाली बात कोरी कहानी है। पीओके में पाकिस्तानी फौज उन लोगों पर दनादन गोलियां बरसा रही है, जिनका रक्षक होने का वह दावा करती है। पाकिस्तान पीओके के कथित आज़ाद अस्तित्व की बात करता है, जो अत्यंत हास्यास्पद है। असल में उसे फौज और आईएसआई ने बंधक बना रखा है। वहां जवान से लेकर जनरल तक संसाधनों की लूट से ऐश कर रहे हैं0। पीओके में महंगाई पूरे पाकिस्तान की तुलना में काफी ज्यादा है। जब कभी आटा, दाल, चावल, सब्जियों और दवाइयों की किल्लत होती है तो जनता को ये चीजें नहीं, बल्कि पुलिस के डंडे मिलते हैं0। सरकार इस्लामाबाद और (पाकिस्तानी) पंजाब में आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। कराची की ओर भी ध्यान देना पड़ता है। पीओके का नंबर सबसे आखिर में आता है। जब ऐसे हालात होंगे तो लोग सड़कों पर क्यों नहीं उतरेंगे? यह तो शुरुआत है। अगर लोगों को राहत न मिली तो पीओके में बहुत बड़ी मुहिम खड़ी हो सकती है, जिसे कुचलना पाकिस्तानी सरकार और फौज के लिए असंभव होगा।

ट्वीटर टॉक

58वें इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में चारों गोल्ड मेडल और 37वें इंटरनेशनल बायोलॉजी ओलंपियाड में 1 गोल्ड और 3 सिल्वर मेडल जीतकर भारत का अब तक का सबसे अच्छा परफॉर्मेंस देने वाले सभी टैलेंटेड स्टूडेंट0स को बहुत–बहुत बधाई और शुभकामनाएं!

–भजनलाल शर्मा

नीट पेपर लीक के बाद, पूरे देश में स्टूडेंट0स और उनके परिवारों में गहरी निराशा और गुस्सा है। मेंटल स्ट्रेस और स्टूडेंट0स के सुसाइड की घटनाएं पूरे देश के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं0। कल देहरादून में हुए छात्रों की गूंज इवेंट में, राहुल गांधी ने इन घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई ।

जापान ओपन विमेंस सिंगल्स टाइटल जीतने पर बहुत–बहुत बधाई0। आप यह शानदार कामयाबी हासिल करने वाली पहली भारतीय बनीं0। यह यादगार जीत आपके शानदार करियर और भारतीय बैडमिंटन में एक और शानदार चैप्टर जोड़ती है।

–डीके शिवकुमार

प्रेरक प्रसंग

क्रोध की अग्नि

एथेंस की एक गली में सुकरात अपने शिष्यों के साथ बैठे थे। तभी एक युवक क्रोध से भरा हुआ वहां आया। 'गुरुदेव! मेरे मित्र ने सबके सामने मेरा अपमान किया है। मैं उसे कभी क्षमा नहीं करूंगा।' सुकरात ने कुछ नहीं कहा। उन्होंने पास रखा एक जलता हुआ दीपक युवक के हाथ में थमा दिया और बोले, 'इसे लेकर मेरे साथ चलो।' वे उसे शहर के बाहर एक अंधेरी झोपड़ी में ले गए0। भीतर एक वृद्धा अपने बीमार पुत्र का सिर सहला रही थी। घर में खाने को कुछ नहीं था, फिर भी उसके चेहरे पर ममता थी। सुकरात ने पूछा, 'तुम्हें अपने भाग्य पर क्रोध नहीं आता?' वृद्धा मुस्कुराई, 'क्रोध करूं तो मेरे बेटे का दर्द कम हो जाएगा क्या? मेरे पास प्रेम बचा है, उसे भी क्यों जला दूं?' युवक की आंखें झुक गईं0। सुकरात ने उसके हाथ का दीपक दिखाते हुए कहा, 'क्रोध इसी दीपक की लौ जैसा है। जब तुम इसे दूसरे को जलाने के लिए उठाते हो, तब सबसे पहले इसकी गर्मी तुम्हारे अपने हाथ को ही झुलसाती है।' युवक की आंखों से आंसू बह निकले। उसे मित्र का अपमान याद नहीं रहा, केवल अपनी मां का चेहरा याद आया, जो हर गलती पर उसे क्षमा कर देती थी।

सामयिक

देश के भाग्य का फैसला करेंगे यूपी के चुनाव?

बाल मुकुंद ओझा
मोबाइल : 9414441218

यूपी विधानसभा का चुनाव आगामी लोकसभा चुनाव की आधारशिला रखेगा। प्रदेश में चुनावी माहौल तेजी से गहराने लगा है। मिशन-2027 को लेकर भाजपा ने अपनी चुनावी रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है। भाजपा मिशन-2027 को लेकर ओबीसी वोट बैंक, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद पर केंद्रित रणनीति अपना रही है। पार्टी ने कुर्मी वोटों को साधने के लिए पंकज चौधरी को प्रदेश का अध्यक्ष बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं का बड़ा हिस्सा परंपरागत रूप से समाजवादी पार्टी के साथ रहा है। सांसद ओवैसी की पार्टी भी दम ख़म के साथ चुनाव में कूद रही है। यूपी के चुनाव ही देश की दशा और दिशा निर्धारित करेंगे।

देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव जैसे जैसे नजदीक आते जा रहे है वैसे वैसे सियासी पार्टियों ने अपनी रणनीतिक तैयारियां शुरू कर दी है। एक दूसरे पर आरोपों की बौछारे सियासी पारे में गर्माहट पैदा करने लगी है। भाजपा और समाजवादी पार्टी दोनों ने एक दूसरे को पछाड़ने के लिए भाषणों और बयानों के जहरीले तीर बरसाने शुरू कर दिए है। 403 विधानसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में इस समय भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 403 में से 255 सीटों पर जीत हासिल की थी। समाजवादी पार्टी को 111, कांग्रेस को 2 और बहुजन समाज पार्टी को महज 1 सीट मिली थी। 34 सीटों पर अन्य दलों के उम्मीदवार जीते थे। पार्टियों ने अपने अपने गठबंधन तलाशने के साथ उन्हें मज़बूती प्रदान करने प्रारम्भ कर दिए है। भाजपा के साथ कई छोटी पार्टियां है। इस बार भाजपा को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल का भी साथ मिला हुआ है। दूसरी तरफ, सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन की स्थिति पूरी तरह साफ़ नहीं है। उम्मेद है दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ेंगी। बसपा सुप्रीमों मायावती अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी हैं। विधानसभा चुनाव में चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम भी अपने प्रत्याशी उतारेगी। यूपी विधानसभा चुनाव में इस बार रोचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

कहा जाता यूपी की सियासत में 'दिल्ली की सत्ता का रास्ता लखनऊ से होकर गुजरता है', यह केवल कहावत ही नहीं है अपितु भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी हकीकत है। प. जवाहर लाल नेहरू से लेकर नरेंद्र मोदी तक, इतिहास गवाह है कि जिसने यूपी जीता, उसने हिंदुस्तान जीत लिया। यह भी कहा जाता है, जिसने उत्तर प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन किया उसके दिल्ली पहुंचने के रास्ते आसान हो जाते हैं। इसीलिए भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपनी चुनावी रणनीति को धार देना शुरु कर दिया है। विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से जोड़–तोड़ और कयासों का दौर शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने अपनी सत्ता बचाने और भाजपा की हैट्रिक लगाने की चुनौती है, तो वहीं समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव पीडीए के फॉर्मूले के दम पर सत्ता में वापसी की हर संभव कोशिश में जुटे हैं। यूपी की जनता ही तय करती है की देश की हवा किस ओर बहती है।

यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से जोड़–तोड़ और कयासों का दौर शुरू हो चुका है। इसी के मधे नज़र गठजोड़ बनने बिगड़ने शुरू हो गए है। बात बात पर नेताओं ने चुनाव में देख लेने की धमकिया देनी शुरू कर दी है। यूपी में साढ़े नौ साल से भाजपा सत्तारूढ़ है और योगी आदित्यनाथ के पास सत्ता की कमान है। भाजपा तीसरे टर्म के लिए जी तोड़ कोशिश में लगी है। यहाँ भाजपा और समाजवादी पार्टी में सीधी और कांटे की लड़ाई है। कांग्रेस और बसपा समाप्त प्राय है। अन्य छोटी पार्टिया अपने अस्तित्व को बचाने के फेर में है। सपा मुखिया पीडीए बनाकर मतों को एक मुश्त अपनी झोली में डालने के प्रयास में जुटी है वहीँ भाजपा हिन्दू मतों को कटेंगे तो बटेंगे का नारा देकर प्राप्त करने के प्रयास में है। कुछ अन्य जातीय पार्टियां भी जातीय मतों के बुते पर मैदान में डटी है। यूपी विधानसभा का चुनाव आगामी लोकसभा चुनाव की आधारशिला रखेगा। प्रदेश में चुनावी माहौल तेजी से गहराने लगा है। मिशन–2027 को लेकर भाजपा ने अपनी चुनावी रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है। भाजपा मिशन–2027 को लेकर ओबीसी वोट बैंक, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद पर केंद्रित रणनीति अपना रही है। पार्टी ने कुर्मी वोटों को साधने के लिए पंकज चौधरी को प्रदेश का अध्यक्ष बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं का बड़ा हिस्सा परंपरागत रूप से समाजवादी पार्टी के साथ रहा है। सांसद ओवैसी की पार्टी भी दम ख़म के साथ चुनाव में कूद रही है। यूपी के चुनाव ही देश की दशा और दिशा निर्धारित करेंगे। सत्तारूढ़ भाजपा ने मोदी और योगी के सहारे जहाँ सत्ता में वापसी की उम्मीद जगाई है वहां अखिलेश की समाजवादी पार्टी ने कुछ छोटे दलों से गठजोड कर मुकाबला कांटे का खड़ा करने का प्रयास कर रही है।

नजरिया

वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि बलूचिस्तान की गहरी और बहुआयामी समस्या का समाधान केवल बंदूकों, सैन्य बूटों की थाप या बल प्रयोग में बिल्कुल नहीं तलाशा जा सकता। विश्व का इतिहास इस बात का गवाह है कि जिन क्षेत्रों में पहचान, संसाधन और राजनीतिक अधिकारों से जुड़े प्रश्न लंबे समय तक अनसुलझे रहते हैं, वहां राज्य को हमेशा अस्थिरता का सामना करना पड़ता है।

पाकिस्तान से टूटने को तैयार दिखता है ब्लूचिस्तान

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

पाकिस्तान का सबसे बड़ा और संसाधन संपन्न प्रांत बलूचिस्तान एक बार फिर गहरी अशांति और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गया है। पिछले कुछ समय में इस क्षेत्र से छनकर आ रही खबरें, विद्रोही गुटों के दावे और पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की प्रतिक्रियाएं इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि यह विवाद अब एक नए और अधिक हिंसक चरण में प्रवेश कर चुका है। बलूच राष्ट्रवादियों द्वारा पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर हमलों के दावे और इसके जवाब में सेना के व्यापक अभियानों ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति को बेहद नाजुक बना दिया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस आधुनिक युग में दोनों पक्षों की ओर से सूचना और दुष्प्रचार का जो युद्ध लड़ा जा रहा है, उसने जमीनी हकीकत को समझना और भी चुनौतीपूर्ण कर दिया है। हालांकि यह विवाद केवल हालिया सैन्य झड़पों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी जड़ें दशकों पुराने राजनीतिक असंतोष, आर्थिक वंचना और पहचान के संकट में गहराई तक समाहित हैं जो अब एक नासूर का रूप ले चुकी हैं।

पाकिस्तान के निर्माण के समय से ही बलूचिस्तान का प्रश्न इस्लामाबाद के लिए गले की हड्डी बना रहा है। बलूच लोगों का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि वर्ष उन्नीस सौ सैंतालीस में उनके तत्कालीन राज्य कलात का पाकिस्तान में विलय उनकी स्पष्ट इच्छा के विरुद्ध किया गया था। इसी ऐतिहासिक असंतोष ने समय के साथ एक मजबूत राष्ट्रवादी आंदोलन को जन्म दिया, जो हर गुजरते दशक के साथ अधिक उग्र और हिंसक होता गया। बलूच राष्ट्रवादियों की सबसे मुख्य शिकायत यह है कि उनके क्षेत्र को पाकिस्तान द्वारा केवल एक आर्थिक उपनिवेश के रूप में देखा जाता है। बलूचिस्तान प्राकृतिक गैस, तांबे, सोने और अन्य बहुमूल्य खनिजों का अथाह भंडार है।

इसके बावजूद इन विशाल संसाधनों से प्राप्त होने वाले राजस्व का एक बहुत ही नगण्य हिस्सा स्थानीय विकास कार्यों पर खर्च किया जाता है। स्थानीय निवासियों को रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से योजनाबद्ध तरीके से वंचित रखा गया है, जबकि इस्लामाबाद और पंजाब प्रांत के अभिजात्य वर्ग इन संसाधनों का भरपूर लाभ उठा रहे हैं। यह घोर आर्थिक असमानता उस गुस्से को और भड़काती है जो अंततः आम युवाओं को मुख्यधारा से काटकर विद्रोही गुटों की ओर धकेलता है।

हाल के वर्षों में बलूच लिबरेशन आर्मी जैसे कई विद्रोही संगठनों ने अपनी रणनीतिक क्षमता और मारक शक्ति में अप्रत्याशित वृद्धि की है। पहले जहां ये हमले केवल छिटपुट और प्रतीकात्मक होते थे, वहीं अब ये बेहद सुनियोजित और बड़े पैमाने पर किए जा रहे हैं। वर्तमान विद्रोह की एक और विशेष बात यह है कि इसकी कमान अब केवल पारंपरिक कबीलाई सरदारों के हाथों में नहीं रही है, बल्कि विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले शिक्षित मध्यवर्गीय युवा और यहां तक कि महिलाएं भी इसमें सक्रिय रूप से शामिल हो रही हैं। सैन्य ठिकानों, पुलिस चौकियों और संचार तथा यातायात के महत्वपूर्ण ढांचों पर होने वाले निरंतर हमले यह दर्शाते हैं कि विद्रोही अब सीधे तौर पर पाकिस्तानी राज्य की सत्ता और संप्रभुता को चुनौती दे रहे हैं। विद्रोही गुटों का दावा है कि उन्हें आम जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त है और वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

दूसरी ओर पाकिस्तानी सेना और सरकार का रुख हमेशा की तरह बेहद कड़ा है। वे इन विद्रोहियों को केवल राज्य के दुश्मन और विदेशी ताकतों के मोहरे के रूप में चित्रित करते हैं और सैन्य बल के निर्दयी प्रयोग को ही एकमात्र समाधान मानते हैं। लेकिन बार बार होने वाले व्यापक सैन्य अभियानों के बावजूद समस्या का कोई स्थायी हल न निकल पाना यह साबित करता है कि ताकत के बल पर किसी भी जन आंदोलन को हमेशा के लिए नहीं कुचला जा सकता।

इस संघर्ष का एक बेहद चिंताजनक पहलू मानवाधिकारों का निरंतर और घोर उल्लंघन है। स्थानीय और कई अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन लगातार यह आरोप लगाते रहे हैं कि पाकिस्तानी सुरक्षा बल बलूचिस्तान में व्यापक स्तर पर दमन चक्र चला रहे हैं। हजारों की संख्या में बलूच युवाओं, छात्रों, वकीलों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कथित तौर पर जबरन गायब कर दिया गया है। इन लापता लोगों के परिवार वाले सालों से न्याय के लिए दर दर भटक रहे हैं और अदालतों से लेकर सड़कों तक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन व्यवस्था उनकी पुकार सुनने को तैयार नहीं है। राज्य द्वारा की जा रही इस ज्यादती ने बलूच समाज में पाकिस्तान की केंद्र सरकार के प्रति अविश्वास की खाई को इतना चौड़ा कर दिया है कि उसे पाटना अब लगभग असंभव प्रतीत होता है। हर नई गुमशुदगी और हर नई क्रूर सैन्य कार्रवाई विद्रोह की आग में घी डालने का काम करती है और राज्य के खिलाफ घृणा को और गहरा करती है।

बलूचिस्तान का यह गंभीर मुद्दा अब केवल पाकिस्तान का आंतरिक मामला नहीं रह गया है, बल्कि इसके गहरे भू राजनीतिक और रणनीतिक निहितार्थ भी हैं। चीन और पाकिस्तान के बीच बन रहे आर्थिक गलियारे ने इस क्षेत्र के सामरिक महत्व को कई गुना बढ़ा दिया है। ग्वादर बंदरगाह, जो अरब सागर के ठीक मुहाने पर स्थित है, चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल का एक प्रमुख और निर्णायक केंद्र है। चीन ने बलूचिस्तान में अरबों डॉलर का भारी निवेश किया है। लेकिन स्थानीय बलूच लोगों का दृढ़ता से यह मानना है कि इस तथाकथित विकास से उन्हें कोई फायदा नहीं होने वाला है, बल्कि यह भविष्य में जनसांख्यिकीय बदलाव लाने और उनके प्राकृतिक संसाधनों को पूरी तरह से लूटने की एक नई साजिश है। यही कारण है कि विद्रोही गुट अक्सर चीनी इंजीनियरों, श्रमिकों और इस आर्थिक गलियारे से जुड़ी अहम परियोजनाओं को अपना निशाना बनाते हैं। इन हमलों के कारण पाकिस्तान सरकार पर चीन की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने का भारी और निरंतर दबाव रहता है।

वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान के साथ लगने वाली डूरंड रेखा का पुराना विवाद इस पूरी क्षेत्रीय स्थिति को और भी अधिक जटिल बना देता है। अफगानिस्तान के साथ लगती यह लंबी और अस्थिर सीमा केवल एक लकीर नहीं है, बल्कि इसके दोनों ओर रहने वाले पश्तून और बलूच समुदायों के गहरे सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध हैं। इस खुली और दुर्गम सीमा के कारण हथियारों और विद्रोहियों की आवाजाही को पूरी तरह से रोकना पाकिस्तानी सेना के लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती बनी रहती है। जब बलूच राष्ट्रवादी सीमांत क्षेत्रों में अपना नियंत्रण स्थापित करने का दावा करते हैं, तो यह सीधे तौर पर क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करता है और अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान के बीच पहले से मौजूद अविश्वास को और अधिक गहरा कर देता है।

वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि बलूचिस्तान की गहरी और बहुआयामी समस्या का समाधान केवल बंदूकों, सैन्य बूटों की थाप या बल प्रयोग में बिल्कुल नहीं तलाशा जा सकता। विश्व का इतिहास इस बात का गवाह है कि जिन क्षेत्रों में पहचान, संसाधन और राजनीतिक अधिकारों से जुड़े प्रश्न लंबे समय तक अनसुलझे रहते हैं, वहां राज्य को हमेशा अस्थिरता का सामना करना पड़ता है। जब तक वहां के लोगों की जायज राजनीतिक और आर्थिक शिकायतों का ईमानदारी से निवारण नहीं किया जाता, तब तक कोई भी शांति बाहर से थोपी नहीं जा सकती। पाकिस्तान के नीति निर्माताओं को यह कड़वी सच्चाई स्वीकार करनी होगी कि बलूच लोगों को उनके ही घर में बेगाना और हाशिए पर रखकर एक मजबूत और एकजुट राष्ट्र का निर्माण नहीं किया जा सकता।

इस संकट के समाधान के लिए राज्य को अपनी सदियों पुरानी सैन्य और दमनकारी मानसिकता से बाहर आना होगा और एक सार्थक तथा पारदर्शी राजनीतिक संवाद की तत्काल शुरुआत करनी होगी। प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय लोगों के प्रथम अधिकार को संवैधानिक मान्यता देना, विकास परियोजनाओं में उनकी सीधी और सम्मानजनक भागीदारी सुनिश्चित करना और सबसे महत्वपूर्ण बात, मानवाधिकारों के व्यापक उल्लंघन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाकर सभी लापता लोगों को निष्पक्ष न्याय दिलाना ही वह एकमात्र लोकतांत्रिक रास्ता है जो बलूचिस्तान में वास्तविक और स्थायी शांति ला सकता है। यदि पाकिस्तान के हुक्मरानों ने समय रहते अपनी नीतियां नहीं बदलीं और संवाद का मार्ग नहीं अपनाया, तो बलूचिस्तान का यह रिसता हुआ नासूर आने वाले समय में पाकिस्तान के पूरे अस्तित्व, उसकी अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सबसे घातक और विनाशकारी खतरा बन सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

अभिनेत्री और मॉडल पूनम पांडे रविवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं।

‘गोल्डन बूट’ के लिए मेस्सी को करनी होगी एम्बाप्पे की बराबरी

न्यूयॉर्क/एपी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के सामने ‘‘गोल्डन बूट’’ जीतने के लिए किलियन एमबाप्पे की बराबरी करने की बड़ी चुनौती है। मेस्सी ने अपने करियर में फुटबॉल की लगभग हर बड़ी उपलब्धि हासिल की है, लेकिन विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को दिए जाने वाले ‘गोल्डन बूट’ पुरस्कार से वह अब तक वंचित रहे हैं।

फ्रांस के स्ट्राइकर एमबाप्पे ने तीसरे स्थान के मुकाबले में दो गोल करके इस विश्व कप में अपने कुल गोल की संख्या 10 कर ली जिससे वह मेस्सी से दो गोल आगे निकल गए। अगर मेस्सी ‘गोल्डन बूट’ नहीं भी जीत पाते हैं, तब भी रविवार को न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में स्पेन के खिलाफ होने वाले विश्व कप फाइनल में उनके पास टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को मिलने वाली ‘गोल्डन बॉल’ तीसरी बार जीतने का सुनहरा मौका है।

वर्ष 1978 में इस पुरस्कार की शुरुआत के बाद से मेस्सी ही एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने इसे एक से अधिक बार जीता है। 39 वर्ष की उम्र में अर्जेंटीना को लगातार दूसरे विश्व कप फाइनल तक पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका उन्हें एक

बार फिर इस सम्मान का मजबूत दावेदार बनाती है। अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा, ‘‘वह महान खिलाड़ी है।’’ रविवार को विश्व कप के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अन्य पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इनमें सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए ‘गोल्डन ग्लव’ और 21 वर्ष या उससे कम उम्र के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए ‘बेस्ट यंग प्लेयर अवॉर्ड’ शामिल हैं। स्पेन के पास इन दोनों में से कम-से-कम एक, और संभव हो तो दोनों पुरस्कार जीतने का अच्छा मौका है। गोलकीपर उनाई सिमोन ने सात मैच में केवल एक गोल खाया है जबकि 19 वर्षीय लामिने यमाल ने अपने शानदार खेल से दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में अपनी जगह मजबूत की है। दूसरी ओर, मेस्सी अपने शानदार करियर के अंतिम दौर में हैं।

फुटबॉल विश्व कप 2026 के महत्वपूर्ण पल

अटलांटा/एपी। स्पेन और मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना के बीच होने वाले विश्व कप फ़ाइनल के साथ इस टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे बड़ी प्रतियोगिता का समापन होगा। रविवार को न्यू जर्सी में अंतिम सीटी बजने तक लगभग छह हफ्तों में तीन देशों में कुल 104 मैच खेले जा चुके होंगे। इस टूर्नामेंट में मैदान पर रोमांचक खेल देखने को मिला जिसमें उलटफेर, नाटकीय वापसी, शानदार गोल और खेल के सबसे बड़े सितारों का बेहतरीन प्रदर्शन शामिल था। इसमें विवाद भी हुए जैसे ईरान की भागीदारी को लेकर राजनीतिक तनाव और ‘हाइड्रेशन ब्रेक’ जैसे नए बदलावों की आलोचना जो कई फ़ैन्स को पसंद नहीं आए। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में हुए 2026 विश्व कप की कुछ अहम चीजें इस प्रकार रहीं।

नए 48 टीम वाले प्रारूप को लेकर एकतरफा मुकाबलों और ग्रुप चरण में रोमांच की कमी की चिंताएं जताई गई थीं लेकिन केप वर्दे, कांगो और क्यूरासाओ जैसी टीमों ने इतिहास रचा और नए प्रशंसक बनाए। केप वर्दे ने अपने पहले मैच में स्पेन को ड्रॉ पर रोका, राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई और अर्जेंटीना को कड़ी टक्कर दी लेकिन अतिरिक्त समय में 2-3 से हार गए। यह एक यादगार विश्व कप मैच था। केप वर्दे के गोलकीपर वोजिन्हा 40 साल की उम्र में स्टार बन गए और सोशल मीडिया पर उनके लाखों फॉलोअर्स हो गए। कांगो भी ग्रुप चरण से आगे बढ़ा और इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी लेकिन आखिरकार हार गया। क्यूरासाओ के पास भी अपने आखिरी ग्रुप मैच तक नॉकआउट में पहुंचने का मौका था। फीफा ने अधिक टीमों के लिए दरवाजे खोले और उन्होंने साबित कर दिया कि वे फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर मुक़ाबला कर सकती हैं। टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को दिए जाने वाले ‘गोल्डन बूट’ की दौड़ में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी शामिल थे जिनमें लियोनल मेस्सी, किलियन एमबाप्पे, एर्लिंग हालैंड, हैरी केन और जूड बेलिंघम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। रविवार के फाइनल से पहले एमबाप्पे 10 गोल के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे हैं। उन्होंने अपने करियर में विश्व कप में कुल 22 गोल का रिकॉर्ड भी बनाया। मेस्सी ने मौजूदा विश्व कप आठ गोल किए और एक मैच बाकी रहते हुए उनके विश्व कप में कुल 21 गोल हैं। क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल को अपने आखिरी विश्व कप में खिताब नहीं दिला पाए जबकि दो साल पहले यूरो कप के स्टार लेमिन यमाल ने चोट से उबरने के बाद शानदार प्रदर्शन किया।

वीडियो सहायक रिव्यू (वीएआर) कई विवादित फैसलों की वजह बना जिसमें जर्मनी, क्रोएशिया और मिस्र के महत्वपूर्ण गोल रद्द कर दिए गए। राउंड ऑफ 16 में अर्जेंटीना के 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 3-2 से जीतने पर मिस्र के कोच होसाम हसन ने इसकी तीखी आलोचना की। टूर्नामेंट में इस्तेमाल की जा रही सेंसर वाली बेहद आधुनिक गेंद की वजह से राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल के खिलाफ क्रोएशिया का आखिरी समय में बराबरी का गोल नहीं हो पाया क्योंकि गेंद ने इगोर मंटानोविच का हल्का सा स्पर्श भी पकड़ लिया और जोस्को ग्वार्डियोल के गोल को ऑफसाइड करार दिया।

समय से पहले जन्मे नवजात की जान दुर्लभ सर्जरी से बची

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के एक अस्पताल के चिकित्सकों ने आहार नली की गंभीर जन्मजात विकृति से पीड़ित नवजात शिशु की जटिल सर्जरी कर उसे नया जीवन दिया। जुड़वां बच्चों में से इस एक शिशु का ऑपरेशन बेहद चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि उसका जन्म समय से पहले हुआ था और उसका वजन मात्र 1.4 किलोग्राम था। कौशांबी स्थित यशोदा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि गर्भावस्था के 34वें सप्ताह में जन्मे इस नवजात में टाइप-सी ‘ट्रेकियो-ईसॉफेजीअल फिस्टुला’ (टीईएफ) के अलावा ‘ईसॉफेजीअल एट्रेशिया’ नामक दुर्लभ जन्मजात विकार का पता चला। इस स्थिति में भोजन नली सामान्य रूप से विकसित नहीं हो पाती, उसका ऊपरी सिरा बंद रह जाता है, जबकि निचला सिरा श्वासनली से जुड़ जाता है जिससे शिशु के लिए भोजन निगलना और सामान्य रूप से सांस लेना कठिन हो जाता है।

जन्म के तुरंत बाद शिशु के मुंह से झाग निकलने लगे, अत्यधिक लार बनने लगी और उसे सांस लेने में तकलीफ होने लगी। एक्स-रे में इस बीमारी की पुष्टि हुई, जिसमें फीडिंग ट्यूब भोजन नली के ऊपरी हिस्से में ही उलझी या मुड़ी हुई दिखाई दे रही थी।

करीब दो घंटे तक चली इस जटिल सर्जरी का नेतृत्व अस्पताल की बाल शल्य चिकित्सक एवं नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के बाल शल्य चिकित्सा विभाग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. मीनू बाजपेयी ने किया। ऑपरेशन के दौरान चिकित्सकों ने भोजन नली के दोनों सिरों के बीच तीन कशेरुकाओं के बराबर अंतर होने के बावजूद उन्हें सफलतापूर्वक जोड़ दिया। डॉ. बाजपेयी ने कहा, ‘‘बहुत कम जन्म वजन वाले शिशुओं में भोजन नली के दोनों सिरों को सीधे जोड़कर सर्जरी करना बेहद कठिन होता है।

‘आदर्श बाल विद्यालय’ में अभिमन्यु एक सख्त शिक्षक की भूमिका निभाई

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अभिमन्यु सिंह ने अब तक पर्दे पर ज्यादातर दमदार, खतरनाक और प्रभावशाली किरदार निभाकर अलग पहचान बनाई है। इस बार वह दर्शकों के सामने बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। अपनी अपकमिंग वेब सीरीज ’आदर्श बाल विद्यालय’ में अभिमन्यु एक सख्त शिक्षक की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह उनके अब तक निभाए गए सभी किरदार से अलग है। अभिमन्यु ने कहा, ’’मैंने करियर में कई दमदार और सख्त किरदार निभाए हैं, लेकिन एक शिक्षक की भूमिका निभाने की जिम्मेदारी बिल्कुल अलग होती है। मेरे किरदार का मानना है कि अनुशासन का मतलब बच्चों में डर पैदा करना नहीं है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, ईमानदारी और मजबूती के साथ जिंदगी का सामना करने के लिए तैयार करना है।’’ उन्होंने आगे कहा, ’’मेरा किरदार बाहर से भले ही सख्त नजर आता हो, लेकिन उसके हर फैसले के पीछे छात्रों का बेहतर भविष्य छिपा है। मुझे लगता है कि हम सभी की जिंदगी में एक ऐसा शिक्षक जरूर रहा होगा, जिससे हम स्कूल के दिनों में डरते थे, लेकिन बाद में एहसास हुआ कि उसी ने हमें सबसे ज्यादा सीख दी। यही इस किरदार की असली भावना है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इससे खुद को जोड़ पाएंगे।’’

वेब सीरीज ’आदर्श बाल विद्यालय’ में अभिनेता केके. मेनन मुख्य भूमिका में हैं। वह इसमें ज्ञानेश्वर त्रिपाठी नाम के एक हेडमास्टर का किरदार निभा रहे हैं, जो बेफिक्र, चतुर और परिस्थितियों को अपने पक्ष में मोड़ने वाला व्यक्ति है। उसमें अपनी खूबियां भी हैं और कमियां भी। केके. मेनन ने अपने किरदार के बारे में कहा, मैंने अपने करियर में कई तरह के रोल निभाए, जिसमें इंटेलिजेंस ऑफिसर, राजनेता और अपराधी जैसे रोल्स शामिल हैं, लेकिन पहली बार मैं हेडमास्टर की भूमिका निभा रहा हूं। मेरा किरदार बहुत तेज दिमाग वाला और समझदार है। वह हर परिस्थिति को अपने पक्ष में मोड़ना जानता है। लेकिन, वह लापरवाह व्यक्ति है। यही अलग-अलग परतें इस किरदार को मेरे लिए बेहद खास बनाती हैं।

अभिमन्यु सिंह और केके. मेनन के अलावा सीरीज में ज्ञानेश्वर त्रिपाठी, अर्चना पूरन सिंह, नवीन कस्तूरिया, देवेन भोजानी और प्रसन्ना बिष्ट जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। ’आदर्श बाल विद्यालय’ का निर्देशन हिमांक गौर ने किया है। यह सात-एपिसोड की सीरीज है, जो 24 जुलाई से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

आमिर खान को बिश्नोई गैंग से धमकी मिलने के बाद मुंबई क्राइम ब्रांच अलर्ट, बढ़ाई गई सुरक्षा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से धमकी मिलने के बाद मुंबई क्राइम ब्रांच अलर्ट हो गई है। क्राइम ब्रांच ने आमिर खान की टीम से बातचीत की। मुंबई क्राइम ब्रांच मुख्य रूप से यह पता करना चाहती है कि यह धमकी आमिर खान या उनकी टीम को सीधे तौर पर मिली है या फिर सोशल मीडिया या खबरों के जरिए ही जानकारी मिली। खबरों के मुताबिक, आमिर खान या उनकी टीम की तरफ से पुलिस से कोई संपर्क नहीं किया गया है और न ही अभी तक कोई शिकायत दर्ज करवाई गई है। वहीं, महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें भी इस बात की जानकारी प्राप्त हुई। गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने यह भी स्पष्ट किया कि आमिर खान या उनकी टीम की तरफ से अभी तक कोई शिकायत नहीं दर्ज करवाई गई है, लेकिन पुलिस ने सुओमोटो के तहत मामले की जांच शुरू कर दी है।

उन्होंने कहा, आमिर खान को पहले से ही सुरक्षा मिली हुई है (एक पुलिस वाला साथ में है), लेकिन इस घटना के बाद उनकी सुरक्षा का रिव्यू लेकर आवश्यकता के अनुसार बढ़ाया जाएगा। हमने उनके घर पर पुलिस का विजिलेंस बढ़ा दिया है। बिश्नोई गैंग लोगों को धमकी देकर सिर्फ वसूली करने का प्रयास करते हैं, हमारी पुलिस ऐसे मामलों में तुरंत एक्शन लेती है।

उन्होंने बताया कि अनमोल (गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का छोटा भाई) को भारत वापस जल्द ही लाया जाएगा।

उन्होंने कहा, आमिर खान भी इस समय भारत में नहीं है। वापस आने के बाद उनसे संपर्क किया जाएगा। किसी को भी इस बात पर घबराने की जरूरत नहीं है। मुंबई पुलिस हर तरह से सक्षम है। वह अभी मामले की जांच कर रही है। खबरों के मुताबिक, यह धमकी उनकी हालिया शादी और उससे जुड़ी व्यक्तिगत पसंद को लेकर दी गई है, जिसे धमकी देने वालों ने सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताओं के विरुद्ध बताया है।

सनी देओल की फिल्म ‘बंटवारा 1947’ का टीजर आउट

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म ’बंटवारा 1947’ का टीजर शनिवार को रिलीज कर दिया गया। टीजर में भारत के बंटवारे की घटनाओं को दिखाया गया है। टीजर देखकर प्रतीत हो रहा है कि विभाजन के समय कैसे लोग बेरहम और गुस्से में अंधे हो गए थे। 57 सेकंड के टीजर में हाई वोल्टेज ड्रामा और विभाजन की दर्दनाक झलक देखने को मिल रही है। सनी देओल ऐसे व्यक्ति के किरदार में नजर आ रहे हैं, जो परिवार की रक्षा के लिए हर मुश्किल का सामना करते हैं। यह एक ऐसे निडर हीरो की झलक दिखाता है जो नफरत के खिलाफ मजबूती और पक्के इरादे के साथ खड़ा रहता है। यह फिल्म 1940 के दशक के उथल-पुथल भरे दौर को दिखाती है, जब बंटवारे ने लाखों लोगों की जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी थी। डर, नुकसान और बेघर होने के बीच यह एक ऐसे आदमी की कहानी को प्रस्तुत करती है, जिसने नफरत के बजाय हिम्मत और इंसानियत को चुना था।

बताया जा रहा है कि फिल्म को पाकिस्तान में बैन कर दिया गया है, जिसकी वजह से फिल्म को लेकर लोगों में उत्सुकता और ज्यादा बढ़ गई है। फिल्म ’लगान’ के बाद एक बार फिर आमिर खान, ए. आर. रहमान और जावेद अख्तर की ब्लॉकबस्टर तिकड़ी इस प्रोजेक्ट के लिए साथ आई है। डायरेक्टर राजकुमार संतोषी और एक्टर सनी देओल भी लगभग 30 साल (तीन दशक) के बाद इस फिल्म में साथ काम कर रहे हैं।इस फिल्म में सनी देओल के अलावा, शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है और यह 14 अगस्त को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। स्वतंत्रता दिवस के समय फिल्म को रिलीज होने से फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा फायदा हो सकता है। अब देखना होगा कि फिल्म को दर्शक कितना पसंद करते हैं।

जागरूकता

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में रविवार को पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित एक रैली में भाग लेते स्थानीय निवासी।

असफलता से नहीं, एक जैसे किरदार निभाने से लगता है डर : विक्रांत मैसी

मुंबई/भाषा। अभिनेता विक्रांत मैसी ने कहा है कि उन्हें अपनी फिल्मों के असफल होने से अधिक डर एक जैसे किरदार निभाने और रचनात्मक दोहराव से लगता है और यही वजह है कि वह हर फिल्म में स्वयं को नये रूप में पेश करने का प्रयास करते हैं। मैसी को ‘12वीं फेल’, ‘सेक्टर 36’, ‘हसीन दिलरुबा’, ‘दिल धड़कने दो’, ‘लुटेरा’, ‘प्रितम एंड पेड्रो’ और ‘ब्रोकन बट ब्यूटीफुल’ जैसी फिल्मों और ओटीटी सीरीज में भूमिकाओं के लिए सराहा गया है। उन्होंने कहा कि बॉक्स ऑफिस पर सफलता भी महत्वपूर्ण है, लेकिन एक अभिनेता के लिए सबसे बड़ा डर किरदारों का ‘‘दोहराव’’ और अभिनय में ‘‘नयापन खत्म हो जाना’’ होता है।

उन्होंने ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा कि अगर कोई फिल्म सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं करे तो इसे ठीक नहीं कह सकते। उन्होंने कहा, ‘‘आप चाहते हैं कि फिल्म कमाई करे और ज्यादा से ज्यादा लोग उसे देखें। हालांकि, प्री-सेल (रिलीज से पहले फिल्म के संगीत तथा ओटीटी और टेलीविजन पर प्रदर्शन के अधिकार को बेच देने) से आपकी न्यूनतम लागत निकल आती है।’’ उन्होंने कहा कि ‘‘बेशक, आप चाहते हैं कि फिल्म अच्छा कारोबार करे, लेकिन एक अभिनेता के तौर पर सबसे ज्यादा डर इस बात का है कि आप बार-बार वही किरदार निभाने लग जाएं।’’ उन्होंने कहा, ‘‘दोहराव और अभिनय में नयापन खत्म हो

जाना ही वास्तव में डरावनी चीज है। मुझे असफल होने का डर नहीं लगता, क्योंकि जब आप नये प्रयोग करते हैं तो कभी-कभी असफलता भी मिलती है।’’ मैसी ने बताया कि 2024 में उन्होंने सात महीने के लिए काम से विराम लिया था, क्योंकि उन्हें लगने लगा था कि उनके अभिनय में दोहराव आने लगा है। इस दौरान उन्होंने अपने अभिनय पर गौर किया। उन्होंने कहा, अपने काम का पुनर्मूल्यांकन करना बहुत जरूरी है। दुनिया अभूतपूर्व गति से बदल रही है, इसलिए एक रचनात्मक कलाकार के रूप में आपको लगातार खुद को बेहतर बनाना पड़ता है। अभिनेता मैसी (39) जल्द ही नेटफ्लिक्स पर आने वाली ओटीटी सीरीज ‘‘मुसाफिर कैफे’’ में नजर आएंगे। इस सीरीज के साथ वह निर्माता के रूप में भी अपनी शुरुआत कर रहे हैं।

वह आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के जीवन पर आधारित प्रस्तावित बायोपिक ‘‘व्हाइट’’, अभिनेता सनी सिंह के साथ ‘‘यार जिगरी’ सहित कई अन्य परियोजनाओं पर भी काम कर रहे हैं। मैसी ने कहा कि राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद कई लोगों ने उन्हें एक खास छवि बनाए रखने की सलाह दी थी, लेकिन वह जोखिम उठाने और अलग-अलग तरह की कहानियां चुनने में विश्वास रखते हैं। उन्हें ‘‘12वीं फेल’’ में अभिनय के लिए 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला था। उन्होंने कहा, ‘‘मैं हमेशा ऐसी फिल्में करना चाहता था जिनमें कहानी को आगे बढ़ाने की मुख्य जिम्मेदारी मेरे कंधों पर हो और मुझे दमदार भूमिकाएं निभाने का मौका मिले...मैंने हमेशा ही लीक से हटकर काम किया है।’’

मैंने हमेशा मजबूत महिला किरदारों का समर्थन किया : अनिल कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि उन्होंने अपने पूरे फिल्मी करियर में हमेशा ऐसी फिल्मों का समर्थन किया है, जिनमें महिलाओं के मजबूत और प्रभावशाली किरदार कहानी का केंद्र हों। उनका मानना है कि सिनेमा में महिलाओं की दमदार आवाज और उनकी अहम भूमिका को और अधिक जगह मिलनी चाहिए। अनिल कपूर ने अपनी नई फिल्म ’अल्फा’ को लेकर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट करते हुए अपने विचार रखे। उन्होंने लिखा कि उनका यह विश्वास सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके निजी जीवन की मजबूत महिलाओं ने भी उनकी इस सोच को और मजबूत बनाया है। अभिनेता अनिल कपूर ने लिखा, मैं हमेशा से मानता आया हूं कि हमें ऐसी फिल्मों की जरूरत है, जिनमें मजबूत महिला मुख्य किरदार और उनकी आवाज

हो। चाहे वर्षों पहले ’जुदाई’ और ’लम्हे’ जैसी फिल्मों में अभिनय करना हो या ’खूबसूरत’, ’वीरे दी वेडिंग’ और ’क्रू’ जैसी फिल्मों का निर्माण करना, मैंने हमेशा ऐसी महिला किरदारों का समर्थन किया है जो कहानी की धुरी हों।

उन्होंने अपनी बेटियों सोनम कपूर और रिया कपूर के साथ-साथ अपनी पत्नी को भी अपनी इस सोच की प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा, शायद इसकी वजह यह है कि मैं दो बेहद मजबूत बेटियों का पिता और एक बेहद सशक्त महिला का पति हूं। या फिर इसलिए कि महिलाओं की ऊर्जा दुनिया को बदल रही है और यह जीवन की सच्चाई है।अनिल कपूर ने कहा कि उन्हें आदित्य चोपड़ा, शिव, बॉबी, आलिया, शरवरी और पूरी वाईआरएफ टीम के साथ काम करके खुशी हुई, क्योंकि वे भी महिलाओं को केंद्र में रखकर कहानियां बनाने में विश्वास रखते हैं। ऐसी सोच ही ’अल्फा’ जैसी फिल्मों को संभव बनाती है।बता दें कि ’अल्फा’, वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। इसमें आलिया भट्ट, शरवरी, अनिल कपूर, और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक बेहद प्रशिक्षित महिला कीलर की है, जिसे एक बागी कमांडर ने दुनिया से अलग रखकर सुपर-सोल्जर बनाया है। जब उसे अपने परिवार और बचपन से जुड़ा चौंकाने वाला सच पता चलता है, तो वह अपनी वर्षों से बिछड़ी बहन के साथ मिलकर अपना बदला लेने के मिशन पर चल पड़ती है।

चातुर्मास को सार्थक करने के लिए समाजहित कार्यों को मूर्त रूप देना होगा : पद्मश्री नित्यानंदसूरी

गोडवाड़ भवन में आचार्यश्रीनित्यानंद सूरीश्वर का हुआ चातुर्मास प्रवेश | स्वबंधु उत्कर्ष की भावना के साथ आवास योजना की हुई घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पंजाब केसरी आचार्यश्री विजय वल्लभसूरीश्वरजी समुदाय के क्रमिक पट्टधर गच्छाधिपति पद्मश्री आचार्यश्री विजय नित्यानंद सूरीश्वर जी का भव्य चातुर्मास प्रवेश लालबाग रोड़ स्थित गोडवाड़ भवन में हुआ0। गच्छाधिपति के साथ पंन्यास धर्मशीलविजय जी, मुनि मोक्षानंदविजयजी तथा साधु–साध्वी वृंद का वरघोड़ा जैन हाइट0स से प्रारंभ होते हुए चातुर्मास स्थल गोडवाड़ भवन में धर्म सभा में परिवर्तित हुआ0। गुरुदेव के मंगलाचरण से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ0। गोडवाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति के भवरलाल करबावाला, ललित कुमार तलेसरा, प्रवीण कुमार सोनीगरा, रमेशकुमार चांदावत, गौतम मेहता, राजेश राठौड़, ललित करबावाला, जीतो श्रमण आरोग्यम के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश हरण, उद्योगपति विनोद दुगड़ कोलकाता आदि ने गुरु वल्लभ के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। गुरु कृपा चातुर्मास आयोजक समिति के महासचिव विक्रम करबावाला ने उपस्थित जनों का स्वागत किया।

समिति के वरिष्ठ कुमारपाल सिसोदिया ने अपने संबोधन में गोडवाड़ भवन ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सामाजिक उत्कर्ष की संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि आचार्य प्रवर की समाज उत्कर्ष की प्रबल भावना व गुरु वल्लभ के सपनों को साकार करने हेतु इस गुरु कृपा चातुर्मास का ध्येय रहेगा। उन्होंने कहा कि संघ की व्यवस्था व संचालन का कार्य पदाधिकारियों को मुक्त हाथों से करने की अनुमति देनी चाहिए और यही कारण है कि गोडवाड़ भवन समाजोपयोगी कार्य संपादित कर पाया। समाज सेवा के पहले अपने माता–पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। प्रवेशोत्सव सभा में सिसोदिया ने बताया कि कातरेला परिवार ने उदारभाव से 20 हजार वर्ग फीट का भूखंड गोडवाड़ भवन ट्रस्ट के समीप ही प्रदत्त किया है जिसमें स्वबंधुओं के लिए आवास बनाए जाएंगे।

कातरेला परिवार का ट्रस्ट के ट्रस्टीगण द्वारा सम्मान किया गया। साधु –साध्वीवृंद को करबावाला व सुराणा परिवार द्वारा कांबली ओढ़ाई गई0। देश के विभिन्न प्रान्तों से प्रवेशोत्सव में आए 1200 से अधिक व बेंगलूरु सकल समाज के हजारों लोगों को अपने उद्बोधन में गच्छाधिपति आचार्य नित्यानंद सूरीश्वर जी ने कहा कि उदारमना सुराणा व करबावाला परिवार सहित कुमारपाल सिसोदिया की वर्षों से निवेदन था कि आप बेंगलूरु में एक बार पुनः अवश्य पधारें0। विशेष रूप से वयोवृद्ध भीमराज करबावाला प्रबल आग्रह रहा। निवेदन को स्वीकृति देने से पूर्व मैंने कहा था कि गुरु वल्लभ द्वारा सही अर्थों में स्वामी वात्सल्य स्वबंधु उत्कर्ष है जिसमें शिक्षा, चिकित्सा, स्वालंबन, सेवा आदि है। यदि चातुर्मास में समाज हित में रचनात्मक कार्यों को मूर्त रूप मिलता है तो चातुर्मास स्थिरता सार्थक होगी। मुझे प्रसन्नता है कि प्रवेशोत्सव पर स्व बंधुओं के लिए आवास योजना की घोषणा हुई है।

वरिष्ठ जैन संगीतकार मुंबई से आए अशोक गेमावत ने भाव विभोर प्रस्तुति से गुरु भक्तों को झुमाया। कार्यक्रम की व्यवस्था गोडवाड़ जैन महासभा ने संभाली। वरघोड़ा में जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक महासंघ के तत्वावधान में विभिन्न मंडलों ने अपनी सेवाएं दी। संचालन मनीष खाड़ीवाला व कुमारपाल सिसोदिया ने किया।

अनुशासन जीवन को महान बनाता है : डॉ समकितमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में रविवार को प्रातः प्रवचन में जैन स्थानक हनुमंतनगर में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए डॉ श्री समकितमुनिजी ने साधकों को अपने जीवन में अनुशासन की महत्ता पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुशासन जीवन को महान बनाता है। अनुशासन जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जरूरी तत्व है। व्यक्ति अनुशासन का पालन करें और अपने जीवन में मर्यादित आचरण करने से उसका जीवन लोकप्रिय बन सकता है। उन्होंने कहा कि मानव एक विवेकशील पुरुषार्थी प्राणी है।

वह अपने विवेक से धर्म की पहचान करता है और पुरुषार्थ द्वारा धर्म को जीवन में उतार कर आत्मा में सुप्त परमात्मा को जगा सकता है। मानव जीवन को सफल और सार्थक बनाने के जो महान साधन गुण माने गए हैं उनमें सर्व प्रथम अनुशासन की महान प्रमुखता सिद्ध, दृष्टिगोचर होती है। बिना अनुशासन का जीवन का महत्व नहीं है।ङ्कमुनि श्री ने हनुमंत नगर जैन गुरुकुल धार्मिक पाठशाला के विधार्थियों को भी प्रतिदिन अपने माता पिता और गुरु को वंदन नमस्कार, सेवा भावना की प्रेरणा देते हुए अपने जीवन को अनुशासित और संस्कारवान बनाने की बात कही।

विशेष स्नात्र पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के महालक्ष्मीलेआउट स्थित स्फटिकरत्नजड़ित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में रविवार को भगवान महावीर स्वामी के च्यवन कल्याणक के उपलक्ष्य में पंकजकुमार मोतीलाल गांधी के सौजन्य से विशेष पूजा का आयोजन किया गया। चिंतामणि पार्श्वनाथ महिला मंडल और धनंजय गुरु द्वारा स्नात्र पूजा पढ़ाई गई0। इस पूजा में लाभार्थी परिवार सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिक्षा सहयोग : मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु 'जागृति' शाखा द्वारा रविवार को भुवनेश्वरीनगर स्थित राजकीय पूर्व प्राथमिक विद्यालय में 250 से अधिक जरूरतमंद बच्चों को 1हजार अभ्यासपुस्तिकाएं वितरित की गई0। अध्यक्ष खुशबू जैन सहित अन्य सदस्याओं ने बच्चों को अभ्यास पुस्तिकाएं बांटी।

गुरु आज्ञा से हम आराधना करने व कराने बेंगलूरु आए हैं : साध्वीश्री पावनप्रभा

गांधीनगर तेरापंथ भवन में हुआ चातुर्मासिक प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा के तत्वावधान में तेरापंथ भवन, गांधीनगर में रविवार को साध्वीश्री पावनप्रभाजी का चातुर्मासिक प्रवेश हुआ0। साध्वीश्री पावनप्रभा जी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम गुरु इंगित की आराधना हेतु यहां आए हैं0। हमने लगभग पूरे शहर के तेरापंथ परिवारों के यहां जाकर उनकी सार सम्भाल की है। अब हमारा चातुर्मास इस भवन में है पूरे समाज को धर्म आराधना करनी है। साध्वीश्री आत्मयशाजी, उन्नतयशाजी, रम्यप्रभाजी चातुर्मास में होने वाले आयोजनों की प्रस्तुति दी।ङ्क सभा के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कहा कि चातुर्मास सफल बने यह हम सभी का दायित्व है। गुरुदेव के प्रति हम कृतज्ञ हैं कि हमें इस वर्ष भी एक विद्वान श्रमशील साध्वीवृंद का चातुर्मास प्रदान किया है।महिला मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा एवं मंत्री विजेता रायसोनी के नेतृत्व में स्वागत गीत का संगान किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील चोरड़िया, पूर्व सभा मंत्री विनोद छाजेड़, तेयुप के अध्यक्ष विनोद कोठारी, टीपीएफ के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल, तुलसी महाप्रज्ञ चेतना केंद्र अध्यक्ष, केजीएफ सभा के अध्यक्ष गेहरीलाल हिंगड, महासभा से नवनीत मुथा, संजय बांठिया, इंद्रचंद गादिया, अखिल भारतीय महिला मंडल से मधु कटारिया ने अपने अपने विचार व्यक्त किए0। बहादुर सेठिया ने गीत एवं ज्ञानशाला,कन्या मंडल ने अपनी प्रस्तुति दी। इस मौके पर अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत, राष्ट्रीय संगठन मंत्री रोहित कोठारी, आड़गुड़ी के सभाध्यक्ष कन्हैयालाल सिंघी, यशवंतपुर सभा के अध्यक्ष कुंदनमल गन्ना, टी दासरहल्ली से भगवतीलाल मांडोत आदि की विशेष उपस्थिति थी। इस चातुर्मास प्रवेश पर दीक्षार्थी कोमल भंसाली ने अपनी भावनाएं व्यक्त की। देवराज रायसोनी परिवार ने सभा को प्रोजेक्टर एवं स्क्रीन भेंट की। सभा द्वारा रायसोनी परिवार का सम्मान किया गया।

कोमल पोखरणा ने आगामी होने वाले विशेष आयोजन वॉयस ऑफ ज्ञानशाला की जानकारी दी ।ङ्कसाध्वीश्री नेहरूनगर स्थित मदनलाल नाहर के निवास स्थान से अनुशासन रैली के साथ विहार कर गांधीनगर भवन पहुंची और चातुर्मास प्रवेश किया। कार्यक्रम का संचालन सभा के मंत्री सुभाष पोखरणा ने किया। दिनेश छाजेड़ ने आभार व्यक्त करते हुए रैली एवं आयोजन व्यवस्था में सहयोग देने वाले सभी कार्यकर्ताओं को साधुवाद दिया।

इस अवसर पर सभा के पूर्व अध्यक्ष पारसमल भंसाली, रमेश कोठारी, प्रकाश कटारिया, विनय बैंद, सुरेश मांडोत, पुखराज श्रीश्रीमाल, राजेंद्र बाफना के साथ सादड़ा, नागपुर, केजीएफ, हीरियूर, होसकोटे एवं बेंगलूरु के अनेक क्षेत्रों से श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

'बसवनगुड़ी का चातुर्मास आडम्बर से मुक्त एवं आराधना से युक्त होगा'

जिनकुशलसूरी दादावाड़ी में हुआ मंगलमय वर्षावास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनड़ी के तत्वावधान में साध्वीश्री प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी का चातुर्मास प्रवेश समारोह श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ आराधना भवन में सम्पन्न हुआ0। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रभु प्रतिमा पर खम्मादेवी बाबूलाल भन्साली परिवार द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ0। इसके पश्चात पारसमल ज्ञानचन्द, राकेश लोढ़ा परिवार द्वारा साध्वीश्री का मंगल प्रवेश, गुरुपूजन एवं काम्बली का लाभ लिया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का स्वागत किया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि जैन धर्म में वर्ष के चार माह अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं0। इन्हीं चार महीनों को चातुर्मास कहा जाता है, जो आत्मकल्याण, संयम, तप एवं धर्म आराधना का श्रेष्ठ अवसर है। ङ्कङ्ककार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने किया और कहा कि यह चातुर्मास आडम्बर से मुक्त और आराधना से युक्त होगा। ललित डाकलिया ने बताया कि इस चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन प्रवचन, स्वाध्याय कक्षाएं तथा अनेक धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में राजेन्द्र गुलेच्छा द्वारा स्वागत गीतिका प्रस्तुत की गई0। जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के सनी रांका एवं नितेश बोहरा ने मंगल स्वागत गीत गाया। अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद0, बेंगलूरु शाखा की नन्दा बाफना एवं संगीता पारख ने साध्वीश्री का स्वागत गीत से स्वागत किया।ङ्क इस अवसर पर बाल साध्वीश्री ने कन्नड़ एवं अंग्रेज़ी भाषा में प्रेरणादायी प्रवचन देकर सभी को धर्म की सरल एवं सहज व्याख्या से प्रभावित किया। साध्वीश्री प्रियश्रद्धांजना श्रीजी ने सभी श्रद्धालुओं से संयम, स्वाध्याय, तप एवं धर्म आराधना को अपने जीवन का अंग बनाने का आह्वान किया। चातुर्मास प्रवेश में व्यवस्था जिनदत्तकुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल, सामायिक सेवा मंडल ने सम्हाली। वरघोड़े में खरतरगच्छ युवक परिषद के बैण्ड ने स्वर लहरियां बिखेरी। चातुर्मास प्रवेश में उपाध्यक्ष बाबूलाल भन्साली, तनसुखराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा, पूर्व अध्यक्ष निर्भयलाल गुलेच्छा, महेन्द्र कुमार रांका, सांकलचंद भन्साली, मोतीलाल ललवानी, किरण भन्साली, प्रकाश भंसाली, बाबूभाई मेहता के साथ सकल संघ के अनेक सदस्य और समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**